खास बात

जो अपने नियम नहीं बनाता उसे दूसरों के बनाये नियमों पर चलना पड़ता है।
- हरिभाऊ उपाध्याय

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927
वर्ष - 21 अंक - 198
नर्मदापुरम
शुक्रवार, 02 मई 2025
● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया
Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

महू के दफ्तर पर सीबीआई का छापा, सैन्य क्षेत्र से जुड़ा मामला

इंदौर। इंदौर से 40 किलोमीटर दूर महू सैन्य क्षेत्र स्थित निर्माण कार्य से जुड़े कार्यालय में गुरुवार को सीबीआई ने छापा मारा है। यह संस्थान सैन्य क्षेत्र में निर्माण से जुड़े कामों को करता है और छापे की वजह उससे जुड़े घोटाले की सामने आ रही है। कार्यालय से जुड़े गैरिसर इंजीनियर के इसमें शामिल होने की आशंका है। सुबह 9 बजे पहुंची सीबीआई की टीम ने कार्यालय की फाइलों की जांच की और कर्मचारियों के बयान लिए।

श्रमिकों के लिए खुला दिल्ली सरकार का खजाना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में काम करने वाले श्रमिकों के लिए विशेष योजनाओं की शुरुआत करने की घोषणा कर दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्रमिक दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इन विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार श्रमिकों का सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को 10 लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज, बढ़ा वेतन और पांच रूपये में भोजन योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि श्रमिक भारत के निर्माणकर्ता हैं। उनके बिना राष्ट्र की उन्नति अधूरी है।

अजमेर के होटल में भीषण आग, चार लोगों की मौत, कई घायल

अजमेर। राजस्थान के अजमेर के डिग्गी बाजार इलाके में आज सुबह दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। यहां स्थित नाज होटल में अचानक आग लग गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य झुलस गए। हादसे के समय होटल में बड़ी संख्या में जायरीन (श्रद्धालु) ठहरे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब आठ बजे होटल में जोरदार धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि यह धमाका होटल के एक कमरे में लगे एयर कंडीशनर (एसी) फटने की वजह से हुआ। इसके बाद लगी आग ने पूरी होटल को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। आग लगते ही होटल में अफरा-तफरी मच गई।

अंतर्मना उवाच

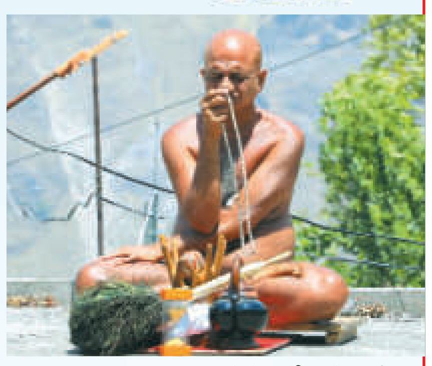

अलकनंदा, उत्तराखंड : प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

आखा तीज - डालो मुक्ति का बीज
स्वयं कृतं कर्म यदात्मना परा फलं तदीयं लभते शुभा शुभम्

अच्छे बुरे कर्म का फल जीव को स्वयं को ही भोगना पड़ता है। ***राजा हो या रंक, गरीब हो या अमीर, भिखारी हो या सम्राट सबको कर्म ने घेरा है।*** *इसलिए कोई भी कर्म करो तो पूरी सावधानी बरतनी चाहिए और कर्म उदय में आ जाये तो समता भाव रखना चाहिए। क्योंकि जिन्दगी में बुरे दिन कभी भी, किसी के भी आ सकते हैं।* ***जिन्दगी में सुख के लम्हें तो हवा की चाल जैसे गुजर जाते हैं मगर दुख तो जैसे आकर के ठहर ही जाता है।*** *इसलिए* ***बुरे के लिये तैयार रहो*** *जैसे कोरोना ...! किसने सोचा था कि हमारे देश का इतना बुरा वक्त आयेगा.. बेटा कभी भी मुख मोड़ सकता है। दोस्त कभी भी धोखा दे सकता है। किस्मत कभी भी रूठ सकती है, दुनिया कभी भी छूट सकती है।* ***जिन्दगी में बहुत थोड़े से ही लोग ऐसे हैं जो दुख और दर्द की कड़क धूप में साया बनकर मदद् करते हैं।*** *बाकी तो खुदगर्ज होते हैं। इसलिए --*

दुनिया दारी को छोड़ के अपने,
लक्ष्य के पीछे भागते रहो..
लोगों का सिर्फ वक्त आता है,
आपका दौर आयेगा...!!!

■अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का हैं सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

गढ़ाकोटा में 3,219 नव दंपत्ति बंधे परिणय सूत्र में

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म में सभी की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। विवाह में सिर्फ वर-वधु का विवाह नहीं, बल्कि दो परिवारों और कुटुम्बों का मिलन भी होता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उसकी बेटी का, उन्होंने जितने अच्छे से लालन-पालन किया उससे अच्छा लालन-पालन और प्यार उसे ससुराल में मिलेगा। इस विश्वास के साथ ही बेटी के माता-पिता उसे वर को सौंपते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के गढ़ाकोटा में 23वें वृहद सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में 3 हजार 219 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

समारोह में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मंत्री श्री लखन पटैल, सांसद सागर संसदीय क्षेत्र श्रीमती लता वानखेडे, दमोह सांसद श्री राहुल सिंह, पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक श्री गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री जयंत मलैया, विधायक श्री प्रदीप लारिया, विधायक श्री ब्रज बिहारी पटैरिया, पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू, पूर्व मंत्री श्री रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव, श्रीश्री 108 श्री किशोरदास जी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरासिंह राजपूत, नगर निगम अध्यक्ष श्री वृन्दावन अहिरवार, जिला अध्यक्ष श्री श्याम तिवारी, जिला अध्यक्ष श्रीमती रानी पटैल, श्री अभिषेक दीपू भार्गव, डॉ. अनिल तिवारी, श्री शैलेश केसरवानी ने भी नव दंपत्तियों को वैवाहिक जीवन के शुभारंभ पर आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे विश्वास है कि वर पक्ष के परिवार बहु को बेटी के समान ही प्यार और सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि गढ़ाकोटा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में निकाह के साथ पुनर्विवाह भी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणियों का पुनर्विवाह एक अच्छी पहल है। यह पवित्र कार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन-प्रतिनिधियों और समाजसेवियों से अपील करते हुए कहा कि वे कल्याणियों के पुनर्विवाह में उनका सहयोग करे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आतंकियों को चेतावनी

चुन-चुन कर जवाब मिलेगा; भारत की भूमि से आतंकवाद मिटाने का संकल्प

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निहत्थे पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए आज गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 1990 के दशक से कश्मीर में जो आतंकवाद चला रहे हैं, उनके खिलाफ पीएम मोदी ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सरकार मजबूती से उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

बकौल अमित शाह, हमारे 27 नागरिकों की जान लेकर आतंकवादी लड़ाई जीत गए हैं, उन्हें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, वे यह संकल्प दोहराना चाहते हैं कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। जिन लोगों ने यह कृत्य किया है, उन्हें निश्चित रूप से उसका उचित दंड दिया जाएगा। शाह ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, ये लड़ाई का अंत नहीं, ये केवल एक पड़ाव है। हर शख्स को चुन-चुन कर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र हो या कश्मीर पर आतंकवाद की छाया हो, सरकार ने सबका मजबूती से जवाब दिया है। अगर कोई कायराना आतंकी हमला कर समझता है कि ये उनकी बड़ी जीत है। गृह मंत्री ने दहशतगर्दों को चेतावनी देते हुए कहा, ...किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस देश की इंच-इंच भूमि पर से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ने का हमारा संकल्प है। वह सिद्ध होकर रहेगा। इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतीय, बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। लामबंद होकर दुनिया के सभी देश आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में भारत की जनता के साथ हैं।

ट्रंप के सामने गिड़गड़ाया पाक, बोला- हम बड़े देश से नहीं लड़ सकते

पहलगाम में हुए हमले के बाद पाकिस्तान अपनी साख बचाने के लिए दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हुआ पड़ा है। वहीं, अब पाकिस्तान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पैरों में गिर गया है। पाकिस्तान के राजदूत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अनुरोध किया है कि वे कश्मीर में हुए घातक हमले के मद्देनजर पड़ोसी भारत के साथ बढ़ते तनाव को कम करने में मदद करें। उन्होंने साफ किया है कि वह अपने से बड़े देश यानी कि भारत के साथ लड़ाई करना नहीं चाहता है। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने 'न्यूजवीक' को बताया कि हमारे पास एक राष्ट्रपति है जो इस प्रशासन के दौरान दुनिया में शांति के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य के रूप में खड़ा है। एक शांतिदूत के रूप में विरासत स्थापित करना - या किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने युद्धों को समाप्त किया, युद्धों का विरोध किया और विवादों को सुलझाने में भूमिका निभाई।

पाक ने बंद किया कराची और लाहौर का हवाई क्षेत्र

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। गुरुवार को पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पूरे मई महीने के सभी दिन सीमित समय के लिए कराची और लाहौर के हवाई क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को बंद करने की घोषणा की है।

क्या आप सुरक्षाबलों का मनोबल गिराना चाहते हैं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को पहलगाम आतंकी हमले की घटना की न्यायिक जांच का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले को फटकार लगाते हुए कहा कि न्यायाधीश आतंकवाद मामलों की जांच के विशेषज्ञ नहीं हैं। इस महत्वपूर्ण समय में देश के हर नागरिक ने आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या वे सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने किया वेव्स का उद्घाटन

भारत में और दुनिया के लिए सृजन का सही समय : मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को मुंबई में विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन यानी वेव्स का उद्घाट्न किया। उन्होंने समिट में जुटे एक हजार से अधिक क्रिएटर्स का उत्साह बढ़ाया। वेव्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ ला रहा है। वेव्स 2025 की टैगलाइन है- 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज'। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी है, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां मुंबई में 100 से अधिक देशों के कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी जा रही है। Waves सिर्फ एक संक्षिप्त शब्द नहीं है। ये एक लहर है- संस्कृति की, रचनात्मकता की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। उन्होंने कहा, वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए विचार के साथ रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा। आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है।

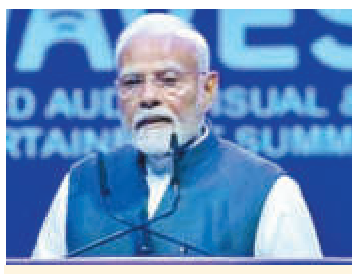

भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये भारत में सृजन करें, विश्व के लिए सृजन करें का सही समय है। आज जब दुनिया कहानी सुनाने के नए तरीके ढूंढ रही है तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना समय से परे है, सोच का दायरा बढ़ाने वाला है और वास्तव में वैश्विक है। ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। सामग्री, रचनात्मकता और संस्कृति, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को उपशीर्षक यानी subtitles के साथ देख रहे हैं

भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया

पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग की दुनिया के, कभी संगीत की दुनिया के लोगों से, कभी फिल्म निर्माताओं से, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की रचनात्मकता, रचनात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग की बातें उठती थीं। लाल किले से मैंने सबका प्रयास की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा।

मेडिकल सीट छोड़ने पर छात्र से 30 लाख की मांग पर कोर्ट सख्त, दस्तावेज लौटाने के दिए निर्देश

जबलपुर ■ एजेंसी

मेडिकल सीट छोड़ने पर कॉलेज प्रबंधन द्वारा जमा किए गए ओरिजनल दस्तावेज लौटाने के एवज में तीस लाख रुपये की मांग किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में हुई अनैतिक गतिविधियों के कारण छात्र डिप्रेशन के कारण मनोरोगी हो गया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने छात्र को ओरिजनल दस्तावेज लौटाने के आदेश जारी किए हैं।

अहमदाबाद गुजरात निवासी डॉक्टर मीत यादव की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि उसने साल 2023 में पीपुल्स डेंटल अकादमी भोपाल में बीडीएस सीट में दाखिला लिया था। हॉस्टल में हुई गतिविधियों के कारण वह डिप्रेशन पर चला गया था। डिप्रेशन के कारण वह मनोरोगी हो गया है। इस संबंध में याचिका के साथ मेडिकल दस्तावेज भी पेश किए गए, जिस कारण उसे मजबूरन मेडिकल सीट छोड़नी पड़ी थी। बीडीएस की सीट छोड़ने पर कॉलेज प्रबंधन द्वारा शिक्षा संबंधी ओरिजनल दस्तावेज लौटाने की एवज में तीस लाख रुपये की मांग कर रहा है। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि दाखिले के समय उसने बांड साइन किया था। जिसकी शर्त के अनुसार मेडिकल सीट बीच में छोड़ने के एवज पर तीस लाख रुपये का भुगतान करना होगा। याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संधी ने युगलपीठ ने बताया कि मेडिकल सीट छोड़ने के एवज में छात्रों से तीस लाख रुपये लेने के मामला लोकसभा में उठाया गया था।

बेकाबू कार डिवाइडर से टकराई, 4 की मौत, 3 घायल

गुना ■ एजेंसी

गुना में एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में शादी समारोह से लौट रहे चार युवकों की मौत हो गई। वहीं 3 युवक घायल हैं। इनमें से एक गंभीर घायल को भोपाल रेफर किया गया है। आशंका है कि कार को पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसा बुधवार देर रात 2.30 बजे भदौरा के पास हुआ। शिवपुरी जिले के कोलारस में रिजौदा गांव से बारात गुना के मावन गांव में आई थी। शादी में शामिल होने के बाद कुछ युवक कार से रिजौदा जाने के लिए निकले थे। हादसे में रिजौदा गांव के रहने वाले गोविंद रघुवंशी (28) पुत्र दिनेश रघुवंशी, सोनू (35) पुत्र हरि भगवान रघुवंशी, वीरू (24) पुत्र बृजेश कुशवाह और हितेश (24) पुत्र ब्रजमोहन बैरागी की मौत हो गई। वहीं सुदीप (24) पुत्र सुरेन्द्र रघुवंशी, सुमित (24) पुत्र जसवंत रघुवंशी, रवि (22) पुत्र वीरेंद्र रघुवंशी घायल हैं। सुदीप को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि कार पीछे की तरफ से पुलिया से टकराई है। कार का अगला हिस्सा सुरक्षित है। वहीं पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। गाड़ी का कांच सड़क पर भी बिखरा हुआ है। वहीं कार के आसपास युवकों के जूते बिखरे हुए हैं।

मुंडेर से टकराकर कुएं में गिरे बाइक सवार, दो की मौत

सीहोर। सीहोर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात बड़ा हादसा हो गया। रात के अंधेरे में बाइक सवार दो युवक एक कुएं की मुंडेर से टकरा गए और सीधे कुएं में जा गिरे। हादसे की जानकारी गुरुवार सुबह लगी। तब तक दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। दोनों मृतक फूल मोगरा गांव के बताए गए हैं। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए पीएम रूम लाए गए। पुलिस मामले में जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार हनीफ खां पिता हफीज (35) निवासी फूलमोगरा और सिराज पिता बाबू खां (34) निवासी फूलमोगरा के शव ग्राम फूलमोगरा के कुएं में मिले हैं।

बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग की कवायद

मतदाता सूची को सटीक और वोटिंग प्रक्रिया को आसान बनाने की तैयारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों को और ज्यादा सटीक और भरोसेमंद बनाने के लिए तीन नई पहलें शुरू की हैं, जिसका मकसद है कि मतदान की प्रक्रिया को लोगों के लिए आसान और भरोसेमंद बनाया जा सके। बता दें कि ये फैसले मार्च 2025 में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में लिए गए, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी मौजूद थे।

आयोग ने किए नए एलान

चुनाव आयोग की ओर से किए गए तीन अहम एलान में सबसे पहली घोषणा मृत्यु पंजीकरण का डेटा से संबंधित मामले में किया गया है। इसके तहत अब चुनाव आयोग को पंजीयक जनरल ऑफ इंडिया से मृत लोगों का रिकॉर्ड सीधे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि मृतकों के नाम समय पर मतदाता सूची से हटाए जाएं। इसके बाद बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) फील्ड में जाकर जानकारी की दोबारा जांच कर सकेंगे, बिना किसी औपचारिक शिकायत के।

वोटर इंफॉर्मेशन स्लिप अब और आसान

वहीं बात अब अगर दूसरे एलान की करें तो अब मतदाता स्लिप को और मतदाता के अनुकूल बनाया जाएगा। वोटर की सीरियल नंबर और पार्ट नंबर अब बड़े फॉन्ट में दिखेगा, जिससे मतदाताओं को अपना पोलिंग स्टेशन पहचानना आसान होगा और चुनावधिकारी भी जल्दी से नाम ढूंढ़ सकेंगे।

बीएलओ को मिलेंगे पहचान पत्र

वहीं तीसरे एलान के तहत अब हर बीएलओ को एक मानक फोटो पहचान पत्र दिया जाएगा ताकि जब वे घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलें तो लोग उन्हें आसानी से पहचान सकें। साथ ही भरोसे से बात कर सकें।

एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने संभाला कमांडिंग-इन-चीफ का पद

प्रयागराज। एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने गुरुवार, एक मई को मध्य वायु कमान के कमांडिंग-इन-चीफ का पद भार ग्रहण किया। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, रक्षा प्रबंधन कॉलेज एवं राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। मध्य वायु कमान प्रयागराज के पीआरओ शान्तनु प्रताप सिंह ने बताया कि एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने भारतीय वायु सेना में सात जून 1986 को कमीशन प्राप्त किया था।

संक्षिप्त समाचार

लव जिहाद के मामले को लेकर हिंदुवादी संगठन पहुंचे थाने की कड़ी कार्यवाही की मांग

भोपाल। देहात क्षेत्र के गुनगा थाना इलाके में बीते दिनो नाबालिग किशोरी से परिचित युवक द्वारा किये गये दुष्कर्म के मामले को लेकर हिंदुवादी संगठनो ने थाने पहुंचकर मामले में पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। जानकारी के मुताबिक वन स्टाप सेंटर (सखी) द्वारा 17 साल 6 माह की नाबालिग किशोरी की कांउसिलिग की गई थी। जिसमें नाबालिग ने बताया की उसके मोहल्ले में रहने वाला आरोपी साहिल खॉन अपने पिता के साथ खेतों में काम करने जाता था। लॉकडाउन के दौरान किशोरी की उससे पहचान हो गई और बातचीत होने लगी। पीड़िता का आरोप है कि पहचान का फायदा उठाकर आरोपी ने दोस्ती कर उसके साथा दुष्कर्म किया और फिर शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब पीड़िता ने उससे दुरियां बनाई तब आरोपी उसे परेशान कर धमकी देने लगा। मामले में गुनगा थाना पुलिस ने आरोपी साहिल के खिलाफ दुष्कर्म, पास्को एक्ट, एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओ के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना को लेकर गुरुवार को विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ताओ ने पुलिस अधिकारियो से भेंट कर लव जिहाद के इस मामले में आरोपी के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

घर की बालकनी से गिरी दो साल की मासूम ने दो दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में तीसरी मंजिल की बालकनी से सदिंग्ध हालत में गिरकर गंभीर रुप से घायल हुई दो साल चार महीने की मासूम बच्ची ने दो दिन चले इलाज के बाद एम्स हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार रॉयल पाम के पास इंद्रा नगर मल्टी में ईडब्ल्यूएस में थर्ड फ्लोर पर परिवार सहित रहने वाले राजेश राय मंडीदीप स्थित एक कोल्ड ड्रिंक कंपनी में में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके परिवार में पत्नि सहित पांच साल का बेटा और दो साल चार महीने की बेटी शानवी राय थी। बीती 28 अप्रैल सोमवार को रात करीब 8 बजे शानवी फ्लैट की बालकनी में खेल रही थी। उस समय उसकी मॉ किचन में काम कर रही थी, खेलते समय अचानक शानवी बालकनी से तीस फीट की ऊंचाई से नीचे सीसी रोड पर गिर गई। उसे सिर सहित शरीर में गंभीर चोट आई थी। परिवार वाले शानवी को इलाज के लिये लेकर एम्स पहुंचे, वहां इलाज के दौरान बीती सुबह शानवी की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंपते हुए आगे की जॉच शुरु कर दी है।

बीमारी से तनाव में आई 75 साल की वृद्वा ने खाया जहरीला पदार्थ, हुई मौत

भोपाल। गुनगा इलाके में वृद्व महिला की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। बताया गया है की वृद्वा को कई बीमारियो ने घेर रखा था, जिसके चलते वह काफी मानसिक तनाव में रहती थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक थाना इलाके में स्थित ग्राम बुधौर में रहने वाली 75 साल की अजबी बाई पति राजाराम घरेलू महिला थी। उनका परिवार पेशे से खेती-किसानी करता हैं। अधिक उम्र होने के कारण अजबी बाई को कई बीमारियो ने घेर लिया था। हालांकि परिवार वाले उनका उपचार करा रहे थे, लेकिन अधिक आराम न मिलने के कारण वह घर पर ही रहते हुए अधिकतर समय दरवाजे पर ही लेटी रहती थी। बुधवार दोपहर उन्हें अचानक उल्टियां होने लगी और उनकी हालत खराब हो गई।

खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

मप्र में कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में

भोपाल ■ निसं

मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है। बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है।

जिलाध्यक्षों को बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदावाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे। ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है। अप्रेल अंत या मई की शुरुआत में परिवर्तन हो सकता है। इसी तरह कांग्रेस अब राज्य सरकार पर और आक्रामक होगी। इसके लिए कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली से नियुक्त होंगे ऑब्जर्वर

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। मप्र के सभी 55 जिलों में एआईसीसी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है। एमपी कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। हर जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी। गुजरात में पूरी प्रक्रिया 45 दिनों में पूरी हो जाएगी। मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के संगठन में एक बड़ा परिवर्तन आया है। नई व्यवस्था में पार्टी जिला अध्यक्षों के माध्यम से काम करना शुरू करेगी। गुजरात में इसका पायलेट प्रोजेक्ट चल रहा है। बहुत सारे ऑब्जर्वर वहां गए हैं।

भोपाल के विजयी विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

यूसीमास स्टेट लेवल कॉम्पिटीशन में कृष्णा, विवान और, याशिका खापरे विजेता

भोपाल ■ निसं

यूसीमास की 20वीं राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल अर्थमेटिक प्रतियोगिता 2025 में विजयी हुए भोपाल के विद्यार्थियों – कृष्णा गुप्ता, विवान गुप्ता और याशिका खापरे – का विराट पुरस्कार वितरण समारोह आज राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), श्यामला हिल्स, भोपाल में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

समारोह के लिए बच्चों और उनके पालक सुबह 11 बजे से ही संस्थान में एकत्र होना शुरू हो गए थे। दोपहर 12 बजे जैसे ही पुरस्कार वितरण शुरू हुआ, तालियों की गूंज से पूरा सभागार गूंज उठा।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को उम्र के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह में 'मॉड्यूल चैंपियन', 'चैंपियन', 'फर्स्ट रनरअप', 'सेकंड रनरअप', 'थर्ड रनरअप', 'फोर्थ रनरअप', 'फिफ्थ रनरअप', 'मेरिट' और 'कोनसोलेशन' श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 3 चैंपियन, 8 फर्स्ट रनरअप, 6 सेकंड रनर अप, 7 थर्ड रनर अप, 8 फोर्थ रनर अप, 12 फिफ्थ रनर अप घोषित किए गए। इसके अतिरिक्त 150 विद्यार्थियों को मेरिट पुरस्कार और 385 विद्यार्थियों को कॉन्सोलेशन पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुल 44 विद्यार्थियों को उनके ग्रुप और वर्ग के आधार पर 'विनर्स' घोषित किया गया, उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र भेंट किए गए।

इस भव्य आयोजन में यूसीमास मध्यप्रदेश के डायरेक्टर नीरज गोयल मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। भोपाल के सभी यूसीमास सेंटर्स के फ्रेंचाइज़ी संचालक भी इस अवसर पर शामिल हुए।

भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों के पास धधक रहे जंगल

मप्र में आग की चपेट में नेशनल पार्क, 4 टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी घुसी आग

भोपाल ■ निसं

प्रदेश पिछले एक महीने से लगातार जंगलों में आग की घटनाएं सामने आ रही हैं। अभी तक दो दर्जन से ज्यादा जिलों में वन क्षेत्र में आग की घटना हो चुकी है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे महानगरों से सटे जंगलों में अभी भी आग धधक रही है। विभाग के अनुमान के अनुसार करीब 1 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आया है। खास बात यह है कि अभी तक जंगल की आग से 4 बाघ अभयारण्य क्षेत्र भी चपेट में आ चुके हैं। जिससे वन संपदा के अलावा वन्य जीवों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से वनों में आग की सूचनाएं मार्च के आखिरी से आने लगीं थी, जो अब बढ़ गईं। जिन जिलों में घने जंगल है, वहां वनों में लगातार आग लग रही हैं। जंगल की इस आग के बीच आबादी क्षेत्र से सटे जंगल में हाईवे किनारे जंगल की आग को विभाग भी संदिग्ध मान रहा है। शिवपुरी में सतनबाड़ा रेंज क्षेत्र के जंगल में पिछले एक महीने से लगी आग पर विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने संज्ञान लेकर विशेष दल भेजा है। जबकि शहडोल के जैतपुर में पिछले दिनों से जंगलों की आग का जायजा लेन वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार खुद पहुंचे।

ये टाइगर रिजर्स आग की चपेट में: भोपाल: पिछले हफ्ते राजधानी भोपाल के कलियासोत बांध के ऊपर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में कई एकड़् जंगल में आग लगी। इस क्षेत्र में माफिया भी सक्रिय है। वन विभाग ने आग बुझा ली, साथ ही आगजनी के पीछे माफिया का हाथ भी तलाश जा रहा है।

सीधी- संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान भी आग की चपेट में आ चुका है। पिछले दिनों बड़ी संख्या में आग लगी। अभी भी सीधी के जंगलों में आग लग रही है।

शिवपुरी- माधव राष्ट्रीय उद्यान को पिछले महीने ही बाघ अभयाण्य का दर्जा मिला है। सतनबाड़ा रेंज में पिछले एक महीने से अलग-अलग हिस्से में आग धधक रही है।

पुरानी रजिंश को लेकर अधेड़ पर चाकू से हमला

भोपाल। हनुमानगंज थाना इलाके में आरोपी युवक ने सब्जी का ठेला लगाने वाले अधेड़ पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार मंगलवारा में रहने वाले 55 वर्षीय शादाब नवबहार सब्जी मंडी में सब्जी का ठेला लगाते हैं। रात करीब 11 बजे आरोपी नदीम नामक युवक का उनके पास पहुंचा और किसी पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। शादाब ने उसका विरोध करते हुए गाली देने से मना किया। इस पर आरोपी और भड़क गया और उसने अपने पास रखा चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया। आरोपी के वार से शादाब के हाथ और सीने में चोट आई है। बाद में थाने पहुंचे फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल ■ निसं

भोपाल मंडल में हाल ही में रेल सेवा से निवृत्त हुए 22 रेल कर्मचारियों को मंडल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, उन्हें गोल्ड मेडल, पेंशन भुगतान आदेश (आई-पास पोर्टल से), मानार्थ पास, परिचय पत्र एवं उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर जनसंपर्क अनुभाग, भोपाल मंडल में कार्यरत श्री इसराइल मोहम्मद (रफीक) को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने 35 वर्षों से अधिक की अपनी सेवा के दौरान रेलवे की छवि निर्माण और मीडिया समन्वय में सराहनीय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल मंडल अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखता है और उनके जीवन के नए चरण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।.

देश के कोने कोने से पहुंचेंगे हृदय रोग विशेषज्ञ, नवीनतम तकनीकों और खोजों पर करेंगे विचार मंथन

म.प्र.- कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस जबलपुर में

भोपाल ■ निसं

मप्र - कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस (MPCSICON 2025) जबलपुर में 3 व 4 मई 2025 को आई टी सी होटल वेलकम में आयोजित की जा रही है। कांफ्रेंस का आयोजन अकादमी ऑफ़ कार्डियक साइंसेज (ऐसीएस) जबलपुर के द्वारा किया जा रहा है। आयोजक ऐसीएस जबलपुर के अध्यक्ष डॉ सुहेल सिद्दीकी और सचिव डॉ दिलीप तिवारी ने बताया की इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे अनुसन्धान और नई तकनीकों पर विचार विमर्श और शैक्षणिक विकास है जिससे की मध्य प्रदेश के हृदय रोग के मरीजों को लाभ होगा। इस कांफ्रेंस में देश और विदेश के दिग्गज हृदय रोग विशेषज्ञ शामिल हो रहे है, जिनमें की अमेरिका के प्रतिष्ठित माउंट सिनाई हार्ट सेंटर न्यूयॉर्क से डॉ समीन शर्मा, मुंबई से डॉ आनंद राव और डॉ ब्रजेश कुमार कुंवर, दिल्ली से डॉ प्रवीण चंद्रा, डॉ अतुल माथुर, डॉ ऐस राधाकृष्णन, डॉ आर आर मंत्री, डॉ निशीथ चंद्रा और डॉ रजनीश कपूर , हैदराबाद से डॉ शरथ रेड्डी, चेन्नई से डॉ सिवा कुमार, बंगलुरु से डॉ डी एस चड्ढा, लखनऊ से डॉ ऋषि सेठी, नागपुर से डॉ जसपाल अरनेजा, डॉ प्रशांत जगताप, इंदौर से डॉ सरिता राव, एवं भोपाल, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर जैसे अन्य कई शहरों से वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ सम्मिलित हैं। इस आयोजन में हृदय रोगो से बचाव से लेकर हृदय की जटिल बीमारियों का इलाज, बिना सर्जरी वाल्व प्रत्यारोपण, बच्चो के हृदय की समस्या, अनियमित धड़कनो का अबलेशन से इलाज, लीडलेस पेसमेकर प्रत्यारोपण, हृदय की नली की दूरबीन से जांच, चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। पैनल डिस्कशन के माध्यम से हृदय रोगो के चुनौती पूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। शोधकर्ता व छात्रों के द्वारा पोस्टर व शोध पेपर भी प्रस्तुत किए जाएँगे। इस कांफ्रेंस के पूर्व 1 मई को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से जानकारी साझा की गई जिसमें की जबलपुर शहर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ उमेश अग्रवाल, डॉ अंकित अग्रवाल , डॉ पुष्पराज पटेल, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ एच पी ऐस चंदेल, डॉ नवीन शर्मा, डॉ के एल उमामहेश्वर, डॉ अनिमेष गुप्ता, डॉ विकास मिश्रा, डॉ अमित किनारे, डॉ आशीष तिवारी, डॉ शिशिर सोनी, डॉ अभिषेक गायकवाड़, डॉ एहतेशाम अंसारी, डॉ भाविक धीरावाणी और डॉ हर्षा रेड्डी उपस्थित रहे।

अज्ञात बाइक की टक्कर से अधेड़ घायल

सड़क पार कर रहे वृद्व को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर

भोपाल ■ निसं

हनुमानगंज इलाके में सड़क पार कर रहे एक अधेड़ व्यक्ति को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हनुमानगंज स्थित एक लॉज में रहने वाले रामा गुप्ता (55) साइकिल पर समोसे बेचने का काम करते हैं।

रात करीब नौ बजे वह लॉज के पास ही सड़क पार कर जा रहे थे। उसी समय तेज रफ्तार से आ रहे बैटरी आटो ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रामा गुप्ता को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद उनके परिवार वाले राजगढ़ से भोपाल पहुंचे इसके बाद थाने में टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उधर पिपलानी पुलिस ने बताया की शांति निकेतन गोविंदपुरा में रहने वाले भगवती प्रसाद पिछले दिनों सुबह करीब 10 बजे अपने दो पहिया वाहन से इंद्रपुरी से घर की और जा रहे थे। रास्ते में स्थित शनि मंदिर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी।

एलएनसीटी के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने ग्रामीण भारत का अनुभव लिया

भोपाल ■ निसं

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत अनफिल्टर्ड-गांवों से विश्व तक में 20 देशों के 30 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हसुआ गांव में ग्रामीण भारत की जीवनशैली को नजदीक से महसूस किया। ये सभी छात्र फिलहाल LNCT विश्वविद्यालय, भोपाल में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पगड़ी बांधने की रस्म के साथ हुई, जहां ग्रामीणों ने विदेशी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। छात्रों ने गांव के घरों में जाकर भारतीय मेहमाननवाज़ी का अनुभव लिया और देसी भोजन का स्वाद चखा।

पिट्ठू खेल में दिखा गांव और दुनिया का मेल: गांव के बच्चों ने विदेशी मेहमानों को पारंपरिक खेल %पिट्ठू% खेलने का आमंत्रण दिया, जिसे छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया। यह दृश्य सांस्कृतिक समावेशिता का जीवंत उदाहरण बना। इस अवसर पर एलएनसीटी विदेशी एडमिशन सेल के प्रभारी दमनप्रीत सिंह WOSY के महासचिव शुभम गोयल और ABVP की राष्ट्रीय सचिव शालिनी वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों ने इस आयोजन को भारतीय मूल्यों और वैश्विक युवा संवाद को जोड़ने वाली प्रभावशाली पहल बताया। इस अवसर पर एलएनसीटी ग्रुफ के सचिव डॉ अनुपम चौकसे एवं

WOSY मध्य भारत के राज्य संयोजक अनुज सिंह ने कहा,की इस पहल का उद्देश्य था कि विदेशी छात्र भारत को उसकी असली, अनफ़िल्टर्ड तस्वीर में देखें और समझें। गांव वालों और छात्रों का उत्साह यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान से वैश्विक सद्भाव कितना गहरा हो सकता है। कार्यक्रम का समापन विदेशी छात्रों के आभार और ग्रामीणों की आत्मीयता भरी विदाई के साथ हुआ। सभी छात्रों ने इस अनुभव को जीवनभर याद रहने वाला बताया, जबकि ग्रामीणों ने अंतरराष्ट्रीय मेहमानों की मेजबानी को गर्व और सम्मान की बात मानी।

जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने की कवायद

निजी कंपनियों के इंजीनियरों को पास करनी होगी परीक्षा

भोपाल ■ निसं

मप्र में जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब प्राइवेट कंपनियों के माध्यम से काम करने वाले इंजीनियरों को परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा। इसको लेकर जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने एमपी ऑनलाइन से परीक्षा कराने का आग्रह किया है। दरसअल प्रदेश भर में जल जीवन मिशन के मॉनिटरिंग का काम निजी कंपनी द्वारा करवाया जा रहा है। इसमें करीब 2000 से ज्यादा इंजीनियर काम करते हैं। इन इंजीनियरों की भर्ती निजी कंपनियां करती हैं और साक्षात्कार जल निगम के अधिकारी लेते हैं। लेकिन लगातार आरोप लगाते हैं कि अनस्किल्ड लोगों की भर्ती की जा रही है। इस तरह की शिकायत से उबरने के लिए एमडी ने नई रणनीति तैयार की है और एमपी ऑनलाइन से परीक्षा करने का निर्णय लिया है।

केवल विभाग से संबंधित ही पूछे जाएंगे सवाल

जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा विभाग में पारदर्शिता लाने के लिए की जा रही है। कई जगह से शिकायत आ रही है कि इंजीनियरों की भर्ती में लापरवाही की जा रही है। इसे देखते हुए एमपी ऑनलाइन से हमने आग्रह किया है कि एग्जाम कंडक्ट करें। चौधरी ने बताया कि इस एग्जाम में कोई बाहर के सवाल नहीं पूछे जाएंगे केवल विभाग और जल जीवन मिशन के काम से संबंधित ही सवाल पूछे जाएंगे। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। जिसे काम आता होगा उसे बाहर नहीं किया जाएगा। और पहले से काम करने वाले इंजीनियरों की परीक्षा नहीं ली जाएगी। जो नई भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा। चौधरी ने बताया कि जल निगम कई नए टेंडर कर रहा है, कई हो गए हैं उनमें जिन इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा।

दो हजार इंजीनियरों को नौकरी जाने का डर: जल निगम के एमडी द्वारा एमपी ऑनलाइन को भेजे गए लेटर के बाद प्रदेश भर में एसक्यूसी/टीपीआईए अभियंताओं में नौकरी जाने का डर भर गया है। दरअसल जो लेटर एमडी में एमपी ऑनलाइन को लिखा है उसमें स्पष्ट नहीं है कि परीक्षा किन अभियंताओं की होनी है, जो वर्तमान में काम कर रहे हैं उनकी या नई भर्ती की। एक इंजीनियर ने बताया कि इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि कार्यरत अभियंताओं को ही सेवा के दौरान परीक्षा देने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे यह संदेह होता है कि यह प्रक्रिया मात्र एक औपचारिकता बनाकर कर्मियों को हटाने के उद्देश्य से अपनाई गई है। साथ ही यह स्पष्ट है कि फील्ड का सारा कार्य, गुणवत्ता नियंत्रण, दस्तावेजीकरण, तकनीकी निरीक्षण और समयबद्ध रिपोर्टिंग सबकुछ एसक्यूसी/टीपीआईए द्वारा ही किया जाता है।

नीमच में डोडाचूरा की बड़ी खेप जब्त, पुलिस को लावारिस ट्रक से मिला मादक पदार्थ

नीमच ■ निसं

नीमच जिले के मनासा में पुलिस ने एक लावारिस ट्रक से 16 क्विंटल 40 किलो डोडाचूरा जब्त किया। ट्रक में 81 कट्टों में मादक पदार्थ भरा था। तस्कर ट्रक छोड़कर फरार हो गए। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अज्ञात चालक की तलाश जारी है। नीमच जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मनासा पुलिस ने बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात करीब दो बजे एक लावारिस ट्रक से 16 क्विंटल 40 किलो 250 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। इस जब्ती की कुल बाजार कीमत करीब 35 लाख रुपए आंकी गई है।

मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हासपुर फंटे से एक ट्रक मादक पदार्थ लेकर गुजरने वाला है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम हासपुर फंटे पर पहुंची, जहां एक ट्रक संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। ट्रक पर तिरपाल ढकी हुई थी और

आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। जब पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें 81 प्लास्टिक के कट्टे मिले, जिनमें डोडाचूरा भरा हुआ था।

यह मादक पदार्थ एक सुनियोजित तस्करी का हिस्सा बताया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि तस्करों को पुलिस की गतिविधियों की भनक पहले ही लग गई थी, इसी कारण वे ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। जब्त ट्रक का नंबर एमपी 14 एचसी 3888 है। पुलिस अब ट्रक मालिक की पहचान कर रही है और अज्ञात चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

शादी भी नहीं हुई, कर्ज में डूबे गरीब, बाल विवाह रुकवाने के बाद प्रशासन दिखा रहा पीठ

इंदौर ■ निसं

इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाहों को रोका गया, लेकिन जिन गरीब परिवारों ने कर्ज लेकर शादी की बुकिंग की थी, उन्हें अब तक पैसे नहीं मिले। प्रशासन ने सेवा प्रदाताओं को नोटिस तो दिए, पर परिवार अब भी दर-दर भटक रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाल विवाह रोकने में मुस्तैदी दिखाई और कई परिवारों के बच्चों का विवाह रुकवा दिया। परिवारों को यह समझाइश दी गई कि वे बच्चों के बालिग होने पर उनका विवाह करें

और उनके द्वारा विवाह के लिए जो भी बुकिंग करवाई गई है वह सभी राशि प्रशासन के द्वारा वापस करवाई जाएगी। इनमें घोड़ी, बग्घी, टेंटवाले, भोजन वाले शामिल हैं। अब आश्वासन देने वाले नदारद हो गए हैं और पैसे लेने वाले गरीब परिवार चक्कर लगा रहे हैं। कई परिवारों ने कर्ज लेकर शादी की तैयारी की थी लेकिन शादी भी नहीं हुई और वे कर्ज में भी डूब गए। इनमें से अनेक परिवार डर की वजह से सामने आने से भी बच रहे हैं।

अधिकारियों ने नोटिस देकर पैसे वापस देने को कहा

प्रशासन की सख्ती और तय नियमों के आधार पर बाल विवाह निरोधी उड़नदस्ता छापामार कार्रवाई कर बाल विवाह तो रोक रहा है, लेकिन उनकी यह कार्रवाई गरीब परिवारों के लिए गले की हड्डी बन रहा है। विभागीय अधिकारियों ने शादी में खाने से लेकर टेंट वाले और घोड़-बग्घीवालों को पैसे लौटाने के नोटिस तो दे दिए, लेकिन प्री बुकिंग के पैसे अब तक परिवारजनों को नहीं मिल सके हैं।

बैंड, बारात और रसोइये को भी सजा का प्रावधान: शंकर कुमार का बगीचा निवासी उमराव पंवार की बेटी और बेटे के विवाह समारोह पर प्रशासन ने छापामार कार्रवाई करते हुए सेवाप्रदाताओं से पैसे वापस दिलाने का वादा भी किया था। उमराव पंवार बताते हैं कि पैसे तो मिले नहीं लेकिन उन्हें धक्के ही नसीब हो रहे हैं। ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत सेवा देने वाले पंडित, मौलवी, घोड़ा, बग्घी, बैंड, मांगलिक भवन, रसोइये तक को सजा दिलाने का प्रावधान है, लेकिन विभाग ने उन्हें सिर्फ पैसे वापस करने का नोटिस थमाया है। अब तक किसी के भी खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। ज्ञात हो कि 29 अप्रैल को राजू राठौर कुशवाह नगर इंदौर की पुत्री से उमराव पंवार के बेटे का विवाह तय किया गया था, लेकिन दोनों ही नाबालिग थे। इस पर दूल्हे ने एतराज लेते हुए विभाग से अपील की थी कि वे बुकिंग के रुपए वापस कराएं।

संक्षिप्त समाचार

महाराजा मानसिंह कॉलेज में नर्सिंग छात्रों का हंगामा

ग्वालियर। ग्वालियर में गुरुवार को महाराजा मानसिंह कॉलेज में नर्सिंग परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा मचाया। हंगामा इतना बढ़ा कि पुलिस बुलाना पड़ी। यहां जीएनएम के परीक्षार्थियों को जो पेपर दिया गया था, उसमें आधे सवाल जीएनएम और आधे एएनएम के थे। प्रिंट की गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ, जिस पर परीक्षार्थियों ने उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया। हालात बिगड़ते देख भारी पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंचा। इसके बाद हालात काबू में आए। छात्रों को आश्वासन दिया गया है कि उनका नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। ग्वालियर में महाराजा मानसिंह कॉलेज सहित अन्य सरकारी कॉलेजों में नर्सिंग परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। महाराजा मानसिंह कॉलेज में प्रबंधन की लापरवाही के चलते सत्र 2023-24 बैच के त्नहरूनर्सिंग परीक्षार्थियों का पेपर खराब हो गया। परीक्षार्थियों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने GNM का आधा औरANM का आधा पेपर प्रिंट करके दे दिया। कॉलेज के दो परीक्षा हॉल में ऐसा हुआ। जिससे 150 से ज्यादा परीक्षार्थी प्रभावित हुए।

7वीं की छात्रा से गैंगरेप, तीन दिन बंधक बनाया

जबलपुर। जबलपुर की एक नाबालिग को बंधक बनाकर उसके साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। मंडला के युवक ने पहले स्नैपचैट पर उससे दोस्ती की, फिर उसे कान्हा नेशनल पार्क घुमाने का कहकर मंडला बुलाया। यहां दोस्त के घर में तीन दिन बंधक बनाकर उसने और उसके दोस्त ने रेप किया। जैसे-तैसे जबलपुर पहुंची पीड़ित ने माता-पिता को सारी बात बताई। उसकी शिकायत पर बुधवार रात गढ़ा थाना पुलिस ने गैंग रेप का प्रकरण दर्ज किया है। जबलपुर पुलिस की एक टीम मंडला में डेरा डालकर आरोपियों की तलाश में जुटी है। 7वीं क्लास में पढ़ने वाली पीड़ित की 6 महीने पहले मंडला जिले के राजन से स्नैपचैट पर दोस्ती हुई। दोनों के बीच बातें होने लगीं। इसी बीच दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया।

ड्रग्स-तस्करी मामले में तीन आरोपियों को 10 साल की सजा

हरदा। हरदा में एनडीपीएस एक्ट के तहत विशेष न्यायालय ने एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को सजा सुनाई है। ग्राम भुन्नास के शिवम सिरोही, आनंद सिरोही और अमन जाट को 10-10 साल की सजा के साथ एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। 20 दिसंबर 2023 को सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि अतरसमा पुलिया और कैदी ढाबा के पास कार में कुछ लोग मादक पदार्थ लेकर आ रहे हैं। पुलिस ने कार एमपी जेडए 1170 को रोककर तलाशी ली। कार के गेयर और हैंड ब्रेक के बीच से हरी पॉलीथिन में 204 ग्राम सफेद एमडी पाउडर बरामद हुआ। थाना हरदा के एसआई सुरेश राज और दिनेश रावत ने मामले की जांच की। जिला स्तरीय समिति ने इसे संगीन अपराध मानते हुए जघन्य प्रकरण की श्रेणी में रखा। न्यायालय में अभियोजन की ओर से जिला अभियोजन अधिकारी आशाराम रोहित और एडीपीओ विनोद कुमार अहिरवार ने पैरवी की।

पहली आंधी में उजड़ा शहर

निगम की लापरवाही से महिला की मौत, होर्डिंग और शेड गिरे

इंदौर ■ निसं

इंदौर में बुधवार को आई पहली तेज आंधी ने शहर की तैयारियों की पोल खोल दी। निगम द्वारा लगाए गए शेड और बड़े-बड़े विज्ञापन होर्डिंग गिरने से कई स्थानों पर अफरा-तफरी मच गई। सनावदिया की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक घायल हो गया।

इंदौर में बुधवार को आई आंधी ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। कई जगह निगम के शेड गिरे और विज्ञापनों के होर्डिंग गिरने से कई जगह लोगों की जान पर बन आई। सनावदिया गांव की रहने वाली गीता बाई (58) की तेज हवा में होर्डिंग गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। होर्डिंग का एंगल सीधे उनके सिर में घुस गया, जिससे मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना उस समय हुई जब गीता बाई अपने भतीजे के साथ बाइक से इंदौर में रिश्तेदारों से मिलकर घर लौट रही थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

रेवती रेंज का शेड भी उड़ गया: उद्यान और जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के मुताबिक मामले की जांच करवा रहे हैं। करीब 100 से ज्यादा स्थानों पर पेड़ और उनके हिस्से गिरने की भी शिकायतें आई हैं। राठौर ने बताया कि तेज हवा-आंधी के चलते रेवती रेंज में बनाया शेड भी उड़ गया है।

पेड़ गिरने से भी एक युवक घायल: करीब 65 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण शहर में दर्जनों स्थानों पर पेड़ गिर गए। तेज हवा से एरोड्रम इलाके में एक वाहन पर पेड़ गिर गया। इससे एक वाहन चालक को चोट आई।

शेड लगते वक्त उठे थे सवाल: नगर निगम ने चौराहों पर छांव के लिए जो शेड लगवाए थे इनका शहर के विशेषज्ञों ने भी विरोध किया था। आर्किटेक्ट अतुल शेठ ने कहा कि शहर में अधिकतर होर्डिंग, जो फ्लेक्स के बने हुए थे, वह उखड़ गए। मुझे लगता है कि इसको हमने चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। यदि बड़ा अंघड़ आया तो शहर की क्या हालत होगी। हमें इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा...

1. फ्लेक्स, होर्डिंग का स्ट्रक्चर और डिजाइन सब्मिट करवाएं और स्ट्रक्चर इंजीनियर को किसी भी दुर्घटना के लिए जवाबदार ठहराएं।

निगम द्वारा लगाए विज्ञापन बोर्ड गिरे

शहर में तेज आंधी चलने से अनेक स्थानों पर विशालकाय होर्डिंग बोर्ड उखड़ गए। इन विज्ञापन के बोर्ड गिरने से कई जगह लोग बाल-बाल बचे। इसी तरह शहर के चौराहों पर तेज धूप से बचने के लिए लगाए गए टिन शेड भी तेज हवा से उखड़ गए। मौके पर निगम के रिमूवल अमले ने पहुंचकर इन टीन शेडों को हटाने की कार्रवाई की, ताकि कोई बड़ा हादसा नहीं हो।

2. भवनों की छत के ऊपर अधिकतर जगह टीन शेड बना दिए गए हैं। यह बगैर डिजाइन के बने हुए हैं और यह कभी भी बड़ी दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे सकते हैं।

3. वैसे ही छत पर सोलर पैनल भी लगाए गए हैं। इसका भी स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट सबमिट होनी चाहिए।

4. इंदौर के रेलवे लाइन के आसपास विज्ञापनों के लिए ऊंचे ऊंचे होर्डिंग लगाए गए हैं, वह भी शहर के लिए और इलेक्ट्रिकल रेलवे के लाइन के लिए, खतरनाक साबित हो सकते हैं।

नकली सोने का लॉकेट देकर बेईमानी से ले गए चार लाख

आईपीएल में चौकों छक्कों पर दांव लगाते अरेस्ट

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर के समीपस्थ शोभापुर रोड पालीवाल गार्डन के पास एक सोने की दुकान से बदमाश धोखाधड़ी कर गए। उन्होंने नकली सोने के लॉकेट देकर बेईमानी से चार लाख रुपए ले गए । इसके साथ ही इधर पिपरिया थाना अंतर्गत गर्ल्स कॉलेज के पीछे एक युवक को आईपीएल मैच पर चौथे छक्के पर दांव लगाते हुए पुलिस ने अरेस्ट किया। उसके पास से नगदी और मोबाइल भी जब्त किए गए ।

पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शोभापुर रोड पाली वाली गार्डन के पास फरियादी सागर दुदानी सिंधी कॉलोनी पचमढ़ी निवासी से अज्ञात बदमाश ने नकली सोने का लॉकेट दे दिया और 4 लाख ले गया। उसने धोखाधड़ी कर घटना को अंजाम दिया। इसको लेकर सागर ने मामला दर्ज कराया अब पुलिस जांच कर रही है । आईपीएल मैच में चौकों और छक्कों पर अवैध सट्टा लगाते हुए साड़ियां निवासी आकाश को पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से हिसाब किताब की पर्ची ओप्पो कंपनी का मोबाइल, सिम और नगदी जप्त करने की कार्रवाई की गई। आकाश गर्ल्स कॉलेज के पीछे आईपीएल मैच में चौके छक्के लगाकर अवैध सट्टा चलवा रहा था । अब पुलिस ने सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरपीएफ पश्चिम मध्य रेल द्वारा डिजिटल सतर्कता रंगलाई

सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से चोरी गया मोबाइल फोन बरामद

जबलपुर ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर लगातार नवाचारों को अपनाया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में दूरसंचार विभाग के सहयोग से पूरे देश में सीईआईआर पोर्टल को लागू किया है। यह पोर्टल चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन को आईएमईआई नंबर के माध्यम से ब्लॉक, ट्रैक व रिकवर करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य मोबाइल चोरी रोकने के साथ-साथ ऐसे उपकरणों की अवैध बिक्री को नियंत्रित करना भी है। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भोपाल मंडल की साइबर सेल ने पहली बार दूरसंचार विभाग के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से चोरी हुआ मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ़ निकाला और यात्री को लौटाकर एक सराहनीय पहल की है।

घटना का संक्षिप्त विवरण : 25 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता श्री मुरु द्वारा इटारसी स्टेशन पर यात्रा के दौरान उनका मोबाइल चोरी होने की जानकारी रेल मदद पोर्टल पर दी। यात्री ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई, बावजूद इसके आरपीएफ साइबर सेल द्वारा शिकायत का निपटान किया गया।साइबर सेल, भोपाल ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए मोबाइल को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ब्लॉक किया, ताकी वह उपयोग में नहीं लाया जा सके। दिनांक 26 अप्रैल को मोबाइल को भोपाल क्षेत्र में ट्रेस किया गया, और जांच में पता चला कि यह श्री प्रवीन नामक व्यक्ति के पास है।

संबंधित व्यक्ति को संपर्क कर मोबाइल निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर जमा कराने के लिए कहा गया, और उन्होंने 30 अप्रैल को आरपीएफ पोस्ट - रानी कमलापति में मोबाइल जमा कर दिया। यह पहला मौका है जब भोपाल मंडल में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से एक यात्री की खोई हुई संपत्ति को इतनी दक्षता और पारदर्शिता के साथ बरामद कर लौटाया गया है। इस पहल से यात्रियों के बीच भरोसा और रेलवे की छवि दोनों मजबूत होती है।

इस प्रयास के माध्यम से रेल यात्री अब रेल मदद, 139 हेल्पलाइन या आरपीएफ से सीधे संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बिना एफआईआर के भी, सीईआईआर के ज़रिए मोबाइल की रिकवरी की जा सकती है। पश्चिम मध्य रेल की यह सफलता यह दर्शाती है कि अब डिजिटल ट्रैकिंग और तकनीकी दक्षता से लैस रेलवे प्रशासन यात्रियों को न केवल बेहतर सेवा दे रहा है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अक्षय दीक्षित का एक पैर ही गायब बताया बेटे की मौत कैसे हुई

पिता और पत्नी को क्या न्याय मिल पाएगा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

11 जून 2023 को एक सड़क दुर्घटना में कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित का निधन हो गया था। स्वर्गीय अक्षय दीक्षित के पिता अरुण दीक्षित ने अपने पुत्र के न्याय के लिए आज एक प्रेस वार्ता की और बताया कि मैंने पूर्व में पुलिस अधीक्षक को भी एक 14 बिंदुओं पर जांच के लिए आवेदन दिया था, जिसे उन्होंने शिकायती आवेदन मान कर जांच की और आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दुर्घटना वाले दिन कई षड्यंत्र की ओर इशारा करते हैं।

पूर्व में बयान में यह बताया गया था कि गाडी के सामने एक गाय सामने आ गई थी जैसे बचाने के लिए दुर्घटना हुई है लेकिन बाद में बयान में यह आया कि अक्षय दीक्षित नशे में था। जो कि बाद में बयान बदले गए हैं।

घटना वाले दिन दिनेश देहलवार रोहित शर्मा एवं अक्की जायसवाल को कोई चोट नहीं लगी जबकि मेरे पुत्र के सिर के पीछे चोट का निशान था और कहा गया कि गाड़ी पलटने से चोट लगी है जबकि गाड़ी में कहीं भी कोई खून के निशान नहीं है और अक्षय दुर्घटना के समय गाड़ी के दरवाजे के कांच से बाहर फिका गया तो उसके शरीर पर कांच लगने से चोट के निशान होना था। जबकि अक्षय की बॉडी गाड़ी से 50 फीट दूर मिली। दुर्घटना सिवनी मालवा जाते समय बताई गई तो दुर्घटना के बाद गाड़ी का नर्मदा पुरम की तरफ कैसे हुआ। श्री दीक्षित ने बताया कि रोहित शर्मा बाबई रोड स्थित जिंद बाबा के पास एक अस्पताल का निर्माण कर रहे थे जिसकी और उसने रोहित शर्मा की पत्नी के नाम साढ़े चार करोड रुपए भी बैंक से लोन कराया था और उक्त निर्माण दिन अस्पताल की तीन मंजिला बिल्डिंग भी बन चुकी थी और अक्षय को कहा गया था कि तुम पूरा मैनेजमेंट संभालोगे। या यह भी हो सकता है कि वह पार्टनरशिप डीड में अक्षय को उसकी पैसे की वजह से रास्ता से हटाया गया , जिससे कि अक्षय को पैसे नहीं देना पड़े। घटना को 2 वर्ष बीत गए लेकिन आज तक दिनेश देहलवार मेरे घर पर मेरे परिवार को संवेदना व्यक्त करने तक नहीं आए। अगर घटना के समय डॉक्टर दिनेश दहलवार किसी बाइक से लिफ्ट लेकर शहर नहीं आते और 100 नंबर डायल को फोन कर देते तो समय पर मेरे पुत्र को उपचार हेतु वाहन उपलब्ध हो जाता तो शायद वह आज हमारे बीच मौजूद होता। साथ ही घटना में रोहित शर्मा को भी कोई ज्यादा चोट नहीं लगी थी वह तो जानबूझकर पांडे नर्सिंग होम में एडमिट हुए थे।

3 मई से 9 मई तक विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

नर्मदापुरम। प्रबंधक शहर जोन-1 म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. नर्मदापुरम ने बताया कि 03 मई से 09 मई 2025 तक 11 केव्ही लाईन का मेंटेनेंस किया जाना है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। बताया गया कि 03 मई 2025 को प्रातः 08:00 से दोपहर 12:00 बजे तक मंगलवारा सबस्टेशन के क्षेत्र अंतर्गत मंगलवारा सबस्टेशन क्षेत्र अंतर्गत जुमेराती, काली मंदिर, राजा मोहल्ला, बी.टी.आई., भीलपुरा, बसंत टाकीज, कोरी मोहल्ला, गुरुकुल एवं अन्य संबंधित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इसी तरह 05 मई 2025 को बालागंज सबस्टेशन अंतर्गत फूटा कुआं, राठौर मार्ग, बालागंज, रवि शंकर मार्केट, लेंडिया मैदान एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों, 06 मई 2025 को हिलव्यूहोम सबस्टेशन अंतर्गत साई हेवन, साई ग्रीन सिटी, हिल व्यू हाम, साई सिटी, मारूती नगर, डबल फाटक, सीयाराम नगर, रेवा सिटी, ग्लोबल पार्क, बंगाली कालोनी एवं अन्य संबंधित क्षेत्र।

प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर जिले के पत्रकार कलेक्टर ऑफिस पहुंचे

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई बैतूल ने अपर कलेक्टर को 21 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

बैतूल ■ निसं

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई के अवसर पर श्रमजीवी पत्रकारों की समस्याओं के संबंध मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष रंजीत सिहं के तत्वाधान में अपर कलेक्टर राजू श्रीवास्तव को 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश के श्रमजीवी पत्रकारों का सबसे बड़ा और सबसे पुराना एक मात्र प्रतिनिधि संगठन है।

प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया के आवाह्न पर बैतूल जिला इकाई ने श्रमजीवी पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन और रैली के माध्यम से सरकार तक अपनी मांगें अपर कलेक्टर के माध्यम से सरकार तक पहुंचने का कार्य किया है। हम श्रमजीवी पत्रकारों की भी अपनी समस्याएं हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार उनपर न केवल - सहानुभूतिपूर्वक ध्यान दें, बल्कि उनका निराकरण भी करें, ताकि वे सहज रूप से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बनाने में शासन की मदद कर सकें। मुख्यमंत्री आपकी विशेष उपस्थिति (मुख्य आतिथ्य) में पिछले माह 26 व 27 मार्च 2025 को मुरैना में संपन्न संघ के 25 वां त्रिवार्षिक दो दिवसीय प्रांतीय महाधिवेशन में पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू करने सहित 6 सूत्रीय मांगपत्र आपको दिया था! आपने मांगपत्र पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए शीघ्र ही इस दिशा में हमारे संघ के साथियों के साथ संबंधित अधिकारियों को बिठाकर चर्चा कर स्वीकृत करने का विश्वास दिलाया है। इस अवसर पर महाधिवेशन में मध्यप्रदेश की विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर भी उपस्थित थे। हमें विश्वास है कि 6 सूत्रीय मांगपत्र के साथ ही अन्य मांगों पर भी आप सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उन्हें क्रियान्वित कराने की दिशा में प्रयत्न करेंगे।

यह है 21 सूत्रीय मांगे: पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू करें,भोपाल के मालवीय नगर स्थित हमारे पत्रकार भवन को जिसे कमलनाथ की कांग्रेस सरकार ने हमसे बिना किसी सूचना के छीन लिया था। वह भूमि हमे वापस की जाये,(पत्रकार पेंशन) श्रद्धा निधि योजना में अधिमान्यता होने की शर्त हटाई जाये और उसे आजीवन देने का नियम बनाया जाए,श्रद्धानिधि प्राप्त श्रमजीवी पत्रकार की मृत्यु के बाद यह पेंशन राशि यह श्रद्धानिधि शासकीय कर्मचारियों की ही तरह उनकी विधवा को उनकी मृत्यु तक उपलब्ध कराई जाये,मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पत्रकार भवन के लिए नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जावे, टोल टेक्स से श्रमजीवी पत्रकारों को मुक्त करने के लिये मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यता कार्ड को भी मान्यता दी जाये।

हरदा कलेक्टर ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

मरीजों को समय पर भोजन और साफ-सफाई के दिए निर्देश, निर्माणाधीन नए भवन का जायजा लिया

हरदा ■ निसं

हरदा के कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने गुरुवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। हरदा कलेक्टर बनने के बाद उनका जिला अस्पताल का यह पहला दौरा था। उन्होंने अस्पताल में निर्माणाधीन नए भवन का जायजा लिया। निर्माण एजेंसी को शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. एचपी सिंह को कर्मचारियों और डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही अस्पताल की साफ-सफाई प्रतिदिन सुबह जल्दी शुरू करने के आदेश दिए।

ब्लड बैंक, नए ऑपरेशन थिएटर का जायजा लिया: निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्लड बैंक, पैथोलॉजी, नया ऑपरेशन थिएटर, प्रसूति गृह और पोषण पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। नए ऑपरेशन थिएटर को जल्द चालू करने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के डाइट चार्ट का निरीक्षण किया। ब्लड बैंक में उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली। कलेक्टर ने भर्ती मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चाय, नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मरीजों के परिजनों से बातचीत कर भोजन की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

अनमोल वचन

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।
वेदव्यास

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यत: सबसे बड़ा मूर्ख होता है।
सुदर्शन

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

> आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं।

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदेशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया। आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन

तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अत: उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं।

सम्पादकीय

जाति जनगणना अर्थात विपक्ष को मुद्दा विहीन करती मोदी सरकार

लोकतंत्र में सरकार के काम-काज पर पैनी नजर रखने का काम विपक्ष के पाले में आता है। सरकार की गलतियों और खामियों को उजागर करते हुए जनहितैषी मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। ऐसा करते हुए विपक्ष जनसामान्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का काम करता है, ताकि चुनाव के दौरान इसी आधार पर वह वोट मांग सके। जो विपक्ष ऐसा करने में असफल रहता है, उसे जनता नकार देती है और फिर वो राजनीतिक गलियारे के हाशिये में पहुंच जाता है। विपक्ष को फेल साबित करने के लिए सरकारें भी साम, दाम, दंड-भेद का इस्तेमाल करती आई हैं। सियासी शतरंजी चालों से विपक्ष के मुद्दों को हथिया लेना और उन्हें मुद्दाविहन कर असहाय बना देना सरकारों का शगल रहा है। इसलिए ईमानदार विपक्ष को सदा से ही जनहितैषी मुद्दों की दरकार रहती आई है। ताकि वो सरकार को घेर सकें और अपनी मांगे मंगवा सकें। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी और अन्य कुछ विपक्षी दल काफी लंबे समय से देश में जाति जनगणना कराने की मांग उठाते रहे हैं। पिछले कुछ समय से तो कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रत्येक मंच से देश में जाति जनगणना कराए जाने वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे हैं। अब चूंकि इसी साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, अत: इस प्रभावी मुद्दे को विशेष तौर पर सियासी धार दिए जाने का काम हो रहा था। विपक्ष की इस चाल को मोदी सरकार और भाजपा ने समय रहते भांप लिया और विपक्ष की मांग को एक तरह से मानकर उनके हाथ से इस अहम मुद्दे को भी छीन लिया है। यह अलग बात है कि अब इसका श्रेय लेने की होड़ भी मच गई है। यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित तौर पर जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया है। मतलब आम जनगणना जो होगी उसी में इसे जोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार मोदी सरकार पहले तो इस मुद्दे से बचती रही, फिर विपक्ष के दबाव और राजनीतिक मजबूरियों के चलते यह निर्णय लिया। बावजूद इसके यह सवाल अनुत्तरित है कि जनगणना कब होगी और इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे या नहीं? यदि मोदी सरकार जाति जनगणना करा पाती है और इसके आंकड़े भी सार्वजनिक करते हुए जारी करती है तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह काम पहली बार होगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले ऐतिहासिक तौर पर अंग्रेजी शासनकाल 1931 में जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे आधार बनाकर बताया गया था कि देश में कुल 4,147 जातियां दर्ज की गईं। इस जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर मंडल कमीशन ने 1980 में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने की रिपोर्ट पेश की थी। मंडल आयोग की इस रिपोर्ट को 1991 में वीपी सिंह सरकार ने लागू करने का काम किया। इसके बाद साल 2011 में भी जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन तब इसके आंकड़े सरकार ने जारी नहीं किए। बहरहाल अब मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने का फैसला तो ले लिया, लेकिन संघ और भाजपा को यह डर अब भी सताए जा रहा है कि ऐसा करने से उनका बृहद हिंदुत्व का एजेंडा कहीं पीछे न छूट जाए। दरअसल 1931 की रिपोर्ट और मंडल कमीशन के रिसर्च से यह सामने आया था कि देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फीसद है। अब यदि जातीय जनगणना होती है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, ऐसे में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। इसके बाद हो सकता है कि संघ और भाजपा का हिंदुत्व वाला मुद्दा भी हाशिये पर चला जाए और विपक्ष इसका बेजा लाभ ले आगे निकल जाए। दिलचस्प बात तो यह है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार कभी स्पष्टत: खुलकर विरोध में खड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में भी इसके खिलाफ दलीलें दी गईं थीं, लेकिन अब वही मोदी सरकार इसे अपनाने की तैयारी में दिख रही है। इसका कारण साफ है, कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस, जातीय जनगणना को एक प्रमुख मुद्दा बना रहे थे। राहुल गांधी ने तो इसे पिछड़ों की पहचान और हक की लड़ाई का नाम दे दिया था। अब जब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का संकेत दिया है, तो विपक्ष का यह बड़ा चुनावी हथियार अप्रभावी हो सकता है। यह राजनीतिक चाल न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश में सामाजिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी विपक्ष के गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने की कोशिश कर रहे थे, अब मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि बीजेपी नीतीश की नीतियों को अपनाकर बिहार में जातीय आधार पर मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि मोदी सरकार बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को मुद्दा विहीन करने में सफल हो पाती है या नहीं। खासतौर पर तब जबकि कांग्रेस व अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने देश में संविधान बचाओ आंदोलन जो चला रखा है।

आयुष्मान भारत योजना दिवस - स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य

> इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तता, अनिवार्यता व विशेषता का पता चला है,कि इसके बिना किस तरह लाखों लोगों की मौत हो सकती है, इस महामारी ने पूरी दुनियाँ को हिला डाला था,पूर्ण विकसित देशों में तो शायद सबसे अधिक मौतें हुई थी, इसलिए आज हर देश स्वास्थ्य सेवाओं व वैज्ञानिक तकनीक के महत्व पर बल देता है व मध्यम गरीब व निम्न आय वर्ग वालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं भी अक्सर अनेक देशों में लागू की जा रही है। इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है। भारत जैसे विकासशील देशों में आज भी हर साल हजारों लोगों की मौत सिर्फ पैसों के कारण इलाज न मिलने की वजह से हो रही है। देश के सभी वर्गों को इलाज मिल सके, इसके लिए भारत सरकार द्वारा 2018 में आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया गया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 30 अप्रैल 2025 को आयुष्मान भारत योजना दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है जिसमें वर्ष 2025 की थीम स्वस्थ्य शुरुआत आशापूर्ण भविष्य रखी गई है। चूँकि भारत में निम्न आय वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना एक बेहतरीन पहल है व आयुष्मान योजना का उद्देश्य 50 करोड़ से अधिक नागरिकों कोगुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करके सुरक्षा प्रदान करना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आयुष्मान भारत योजना दिवस 30 अप्रैल 2025, स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य। साथियों बात अगर हम आयुष्मान भारत योजना को जानने की करें तो,आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। भारत की मोदी सरकार ने लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच बनाने के लिए इसी उद्देश्य से इस योजना को शुरू किया है ताकि भारत की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य और उपचार मिल सके। इसमें गरीबी रेखा से नीचे की आबादी शामिल है जो आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ भी प्राप्त कर सकते हैं। आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के इर्द-गिर्द घूमता है, इस दिन का मुख्य उद्देश्य भारत की एक बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवा लाभ प्रदान करना है जो अपने लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का खर्च नहीं उठा सकते हैं। आयुष्मान भारत से संबंधित अधिकारी हमारे देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मैन्युअल रूप से विभिन्न योजनाओं और पहलों को लॉन्च करते हैं। यह दिन आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को बढ़ावा देता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संबंध में संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। साथियों बात अगर हमआयुष्मान भारत योजना में 70 से अधिक बीमारियों का इलाज फ्री में करने की करें तो, केंद्र सरकार की इस योजना में आयुष्मान भारत योजना के तहत, लाभार्थी अस्पताल में भर्ती होने, डेकेयर प्रक्रियाओं और सर्जरी जैसी विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का लाभ बिना पैसे खर्च किए उठा सकते हैं। इस योजना में पहले से मौजूद बीमारियां और गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। सरकार द्वारा जारी किए डाटा के अनुसार आयुष्मान योजना में 1393 परिभाषित पैकेज, एक संभावित सर्जिकल पैकेज और 24 विशेषज्ञ क्षेत्र शामिल हैं।, इस योजना में कैंसर, हार्ट डिजीज, किडनी से जुड़ी बीमारियां, कोरोना, मोतियाबिंद, डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, घुटना और नी रिप्लेसमेंट, जलने से चोट लगना, नवजात शिशु को हुए रोग, जन्मजात विकार, मोतियाबिंद, सर्जिकल डिलीवरी, और मलेरिया समेत बीमारियों का इलाज सरकार अस्पतालों में किया जा सकता है।इनबीमारियों के अलावा डबल वाल्वरिप्लेसमेंट पीडियाट्रिक सर्जरी, प्रोस्टेट कैंसर, कोरोनरी आर्टरी बाईपास, पल्मोनरी वाल्व रिप्लेसमेंट, नी और हिप रिप्लेसमेंट, स्कल बेस सर्जरी, टिश्यू एक्सपेंडर, रेडिएशन ओंकोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, एंजियोप्लास्टी जैसे सर्जरी को भी आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है। साथियों बात अगर हम दिल्ली में दिनांक 28 अप्रैल 2025 को उपरोक्त योजना की तर्ज पर आयुष्मान वय वंदन योजना की शुरुआत की करें तो, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी के 70 वर्ष या उससे ज्यादा

भारतीय जैन मिलन के गौरवशाली 59 वर्ष

विजय कुमार जैन

जब हम पवित्र उद्देश्य को लेकर कोई शुभ कार्य करने का संकल्प लेते हैं तो अवश्य ही उस कार्य में सफलता मिलती है। ऐसा ही प्रयास आज से 59 वर्ष पूर्व दिनांक 2 मई 1966 को गौरवशाली संस्था का देहरादून में जैन समाज के प्रबुद्ध श्रेष्ठी जनों द्वारा भारतीय जैन मिलन के नाम किया था। इस संस्था के गठन का मुख्य उद्देश्य जैन एकता स्थापित करना रहा है। क्योंकि देश की जैन समाज दिगम्बर, श्वैताम्वर, तेरहपंथी, बीसपंथी, स्थानक वासी आदि अनेक वर्गों एवं आमनाओं में बटी हुई है। हम स्मरण करते है उस शुभ दिन 2 मई 1966 को। उस दिन तक इलाहाबाद से लेकर देहरादून तक संस्था की केवल 15 शाखाएं ही कार्यरत थीं। जिन्हें देहरादून में आमंत्रित कर भारतीय जैन मिलन का नाम दिया गया। संस्था के प्रथम अध्यक्ष के रूप में दीपचंद जैन रायपुर एवं महामंत्री के.सी. जैन गर्ग इलाहाबाद, उपमंत्री गोपीचंद जैन देहरादून नियुक्त किये गये। जैन मिलन की पहली शाखा सन 1953 में यद्यपि इलाहाबाद में खुली थी पर इसे भारतीय जैन मिलन का विधिवत रूप 2 मई 1966 को देहरादून में ही मिला। भारतीय जैन मिलन के गठन के साथ ही मिलन के विकास और विस्तार की यात्रा जोर शोर से चली और 59 वर्ष की लम्बी विकास यात्रा के बाद आज संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग 1450 शाखाएं हैं। संस्था में सुव्यवस्थित संचालन की दृष्टि से इसे 19 क्षेत्रों में विभाजित किया है। नारी शक्ति को सशक्त बनाने, सामाजिक, धार्मिक, पारमार्थिक गतिविधियों में सहभागी बनाने के पवित्र उद्देश्य से महिला जैन मिलन की लगभग 450 स्वतंत्र शाखाएं संचालित है। देश और समाज के भविष्य युवा जिनके कंधों पर कल समाज और देश की बागडोर होगी उन्हें भी सुसंस्कारित, दीक्षित और नेतृत्व निपुण बनाने के उद्देश्य से युवा जैन मिलन की लगभग 15 शाखाएं खोली गई है। मिलन तीन शब्दों से मिलकर बना है, मि- मित्रता, ल- लगन और न- नम्रता का प्रतीक है। सन 1968 में मिलन शाखाओं की गतिविधियों को प्रत्येक सदस्य तक पहुचाने की आवश्यकता अनुभव करते हुए मिलन के मुखपत्र भारतीय जैन मिलन समाचार पत्रिका को सर्वप्रथम देहरादून से प्रकाशित करने निर्णय लिया गया और तभी से आज तक यह पत्रिका निरंतर प्रगति करती हुई अपने वर्तमान आकर्षक स्वरूप में मेरठ से डिजिटल रूप से हर माह प्रकाशित हो रही है। भारतीय जैन मिलन की प्रगति यात्रा में सन 1980 में उल्लेखनीय सफलता मिली जब इसका विस्तार दक्षिण भारत में हुआ। जैन समाज के वरिष्ठ नेताओं और संतों ने इस अभियान को अपना पावन आशीर्वाद दिया।आज दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में सैंकड़ों जैन मिलन शाखाएं मिलन आन्दोलन को आगे बढ़ा रही है।सन 1985 में उत्तर भारत के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेरठ के समीप सरधना में भारतीय जैन मिलन अस्पताल खोला गया। यह अस्पताल सफलतापूर्वक चल रहा है। 01 मार्च 1997 को भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन का गठन किया। फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, बीमारी,पारमार्थिक कार्यों, आपदा पीड़ितों की सहायता की जाती है। फाउंडेशन के वर्तमान अध्यक्ष अनिल जैन वर्ष बाले मेरठ ने बताया फाउंडेशन का फंड लगभग एक करोड़ दस लाख रुपये हो गया है। पिछले 28 वर्षों से भारतीय जैन मिलन के अन्तर्गत संचालित फाउंडेशन का कार्य सराहनीय है। भारतीय जैन की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 11 अक्टूबर 2015 को स्वर्ण जयन्ती वर्ष में फिक्की आडीटोरियम दिल्ली में जैन समाज की चारों आमनाओं के साधु-सन्तों के पावन सानिध्य में जैन एकता सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।*

खास बात

सरकार गई पर आप नेताओं के बही-खाते चालू आहे

यह सच है कि दिल्ली से आम आदमी पार्टी की सरकार जा चुकी है और भाजपा की रेखा सरकार अपने हिसाब से सत्ता चला रही है, लेकिन इससे आप नेताओं की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। पहले समझा जा रहा था कि आप की सरकार होने के कारण केंद्र इन्हें परेशान करने इस तरह की कार्रवाईयां करवा रही है, लेकिन अब खबर है कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इन पर आरोप है कि करीब 2,000 करोड़ रुपये की लागत से 12,748 कक्षाओं के निर्माण में भारी अनियमितताएं हुई। अब जबकि सिसोदिया पहले से ही आबकारी नीति मामले में सीबीआई और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं, जबकि जैन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में रह चुके हैं।

कनाडा चुनाव में भारतीय मूल का डंका बजा

तमाम उठा-पटक और आरोप-प्रत्यारोप के बीच कनाडा के आम चुनाव संपन्न हो गए। इसमें खास बात यह रही कि भारतीय मूल के उम्मीदवारों का खूब डंका बजा है। दरअसल कनाडा के हालिया संघीय चुनाव में 24 भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कर नई संसद में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। इससे पहले 2021 में यह संख्या 21 बताई गई है। भारतीय मूल के उम्मीदवारों में विजेता रहे अनीता आनंद, बर्दिश चागर और सुख धालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। एक बार और यह है कि अधिकतर विजेता पंजाब से संबंध रखते हैं। वहीं, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता और खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

भारतवंशी कमला बिसेसर ने रच दिया इतिहास

त्रिनिदाद और टोबैगो में ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन के बीच भारतवंशी कमला परसाद-बिसेसर देश की नई प्रधानमंत्री बनी हैं। 73 वर्षीय कमला बिसेसर ने यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस (यूएनसी) के नेतृत्व में चुनाव जीतकर एक दशक बाद सत्ता में वापसी की है। वे देश की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री भी हैं, जिन्होंने पहले भी 2010 से 2015 तक पद संभाला था। इस जीत के साथ उन्होंने सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल मूवमेंट (पीएनएम) को सत्ता से बाहर कर इतिहास रचने जैसा काम करके दिखा दिया है। ऐसे में भारत सरकार का खुश होना लाजमी है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे दोनों देशों के ऐतिहासिक और पारिवारिक संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए तत्पर हैं।

टीआरएफ की साजिश और सतर्क भारत

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में गुस्से की लहर है, जिसे देखते हुए पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाला आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) अब एक और हमले की साजिश रच रहा है। बहरहाल पाकिस्तान को तो भारत की संभावित कार्रवाई का डर सता रहा है, इसलिए वहां के मंत्री खुलेआम भारतीय हमले की आशंका जता रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार अमेरिका और चीन से हस्तक्षेप की गुहार लगा रही है। इन सब को देखते हुए भारत ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को किसी तरह का निर्णय लेने और कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिमी तिथि पंचमी, शुक्रवासरे, आद्रा नक्षत्रे, शोभन योगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योगश्च 31/05 विद्यारंभ धान्य छेदन द्विरागमन वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुन्दर, सुशील कोमल हृदय वाला, धनीमानी, सुशील तथा जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्करार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, उत्तम वृत्तिवाला, प्रवचन वक्ता, लेखक, कवि, वैरागी, संत-महात्मा, योगीभोगी, मठ-मंदिर निर्माणकर्ता, उत्तम वृत्ति वाला, देशभक्त होगा।

मेष राशि- साधन सम्पन्नता के योग फलप्रद हों, आर्थिक योजना अवश्य सफल हों।

वृष राशि- अपने किए पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि- सफलता के साधन प्राप्त हों, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि- दैनिक कार्यों में सफलता, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

सिंह राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

कन्या राशि- धन प्राप्ति, आशानुकूल सफलता में वृद्धि, बिगड़ी कार्य योजना अवश्य बनेगी।

तुला राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्य होंगे।

वृश्चिक राशि- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों से कार्य योजना का लाभ होगा।

धनु राशि- योजना पूर्ण होगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य अवरोध बने।

मकर राशि- कार्य कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता कम होगी, ध्यान दें।

कुंभ राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य होगी।

मीन राशि- दैनिक कार्यों में बाधा, चिन्ता, उद्विघ्नता, धन का व्यय होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.13 बजे से
मिथुन	08.11 बजे से
कर्क	10.25 बजे से
सिंह	12.41 बजे से
कन्या	14.53 बजे से
तुला	17.03 बजे से
वृश्चिक	19.18 ब.से
धनु	21.34 बजे से
मकर	23.39 बजे से
कुंभ	01.26 बजे से
मीन	02.59 बजे से
मेष	04.29 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 122 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 09.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 13.04 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 05.39 बजे तदनन्तर धृति 03.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 09.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.28 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 23' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872332 **जूलियन दिन** 2460797.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 03 **विशेष** स्कंद षष्ठी, शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती, रामानुजाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

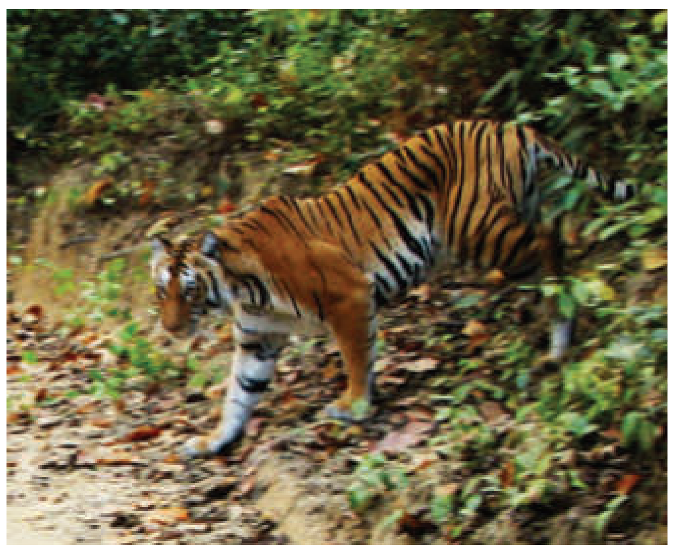

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।
वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार ~ केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं ये चार टीमें

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुर (आरसीबी), पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हुई शीर्ष चार टीमें हैं।

आरसीबी –रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अब तक 10 में से 7 मैच 14 अंक हासिल किये हैं। आरसीबी की नजरें प्लेऑफ का टिकट हासिल कर शीर्ष-2 में बने रहने पर होगी ताकि उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिले।

पंजाब किंग्स– श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स 10 में से 6 मैच जीती है, केकेआर के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके अब तक 13 अंक है। दाके अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए 2 और मैच जीतने होंगे जिससे कि उसके 16 अंक से ऊपर हो जाएं।

मुंबई इंडियंस– खराब शुरुआत से उबरते हुए मुंबई 10 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है, उसने 6 में से लगातार 5 मैच जीते हैं। उसके 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे 4 में से 2 मुकाबले जीतने होंगे।

गुजरात टाइटंस– गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। गुजरात के 9 मैचों में 12 अंक है। टीम को अभी 6 और मुकाबले खेलने हैं। इनमें से 2 मैच जीतकर वह प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है, मगर उनकी नजरें शीर्ष 2 पर रहेगी।

मैदान में ही पैंट उतार कर गार्ड पहनने लगा एक क्रिकेटर

नई दिल्ली। क्रिकेट को भद्रजनों का खेल माना जाता है पर अब एक ऐसा वाकया नजर आत है जिससे सभी हैरान हो गये हैं। मैनचेस्टर में लंकाशायर और नॉर्थम्पटनशायर के बीच काउंटी चैंपियनशिप डिवीज़न टू मैच के दौरान ही पिच पर अचानक एक खिलाड़ी ने अचानक ही अपनी पैंट उतार कर अजीब तरीके से गार्ड पहनने लगा। जब बोहनन ने पैंट उतारी और स्पोर्टर पहनने लगे तो उनकी पैंट स्पोर्टर में फंस गई। इससे दर्शक और कमेंटेटर अपनी हंसी नहीं रोक पाये। बोहनन के जॉक स्ट्रैप को एडजस्ट करने से लेकर अपने ट्राउजर और विकेट-कीपिंग पैड को ठीक करने का प्रयास करने लगे। बोहनन ने जब किसी तरह से पैंट और स्पोर्टर पहना तो उनको सिली प्वाइंट पर फील्डिंग करने को कहा गया। उन्होंने विकेटकीपिंग पैड मंगा लिए और बड़ी कठिनाई से उन बड़े साइज के पैड को पैंट के अंदर किया।

गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेगा

गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं।

गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्त्रत में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा।

उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, निप्र। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी। युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2-2 हैटट्रिक हैं।

वैभव के प्रशंसक अब उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का इंतजार कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले भारतीय वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक अब चाहते है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करें। वैभव की उम्र अभी केवल 14 साल है पर वह काफी परिपक्व नजर आते हैं। इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदो में ही शतक लगाया दिया जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे।

वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने डेब्यू मैच में ही पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वह अपने तीसरे मुकाबले में ही शतक लगाने वाले टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं। वैभव ने 14 साल 32 दिन की उम्र में आईपीएल में शतक लगाया था। इससे पहले पाक के हसन रजा ने

14 साल 223 दिन जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन व नेपाल के गुलसन झा ने 15 साल 212 दिन के अलावा केन्या के गुरदीप सिंह ने 15 साल 258 दिन व कनाडा के नितीश कुमार ने 15 साल 273 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाक के हसन रजा के नाम पर दर्ज है। केवल 14 साल और 223 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने एकदिवसीय डेब्यू किया था जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन की उम्र में अपनी देश की तरफ से पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-15

अंडर-17 चैंपियनशिप में चार और स्वर्ण जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने पहली एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चार और स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने कुल 15 स्वर्ण, छह रजत और 22 कांस्य पदक जीते और कजाखस्तान तथा उजबेकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

टूर्नामेंट के आखिरी दिन भारत के अंडर 17 दल ने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों पदक लड़कियों को मिले। खुशी चंद (46 किलो) ने मंगोलिया की अल्तांजुल अल्तांगादास को 3 . 2 से हराया जबकि आहना शर्मा (50 किलो) और जन्नत (54 किलो) ने उजबेक प्रतिद्वंद्वियों पर 5 . 0 से जीत दर्ज की।

अंशिका ने 80 प्लस किलोवर्ग में जोर्डन की जाना अलालावनेह को हराकर भारत को एक और स्वर्ण दिलाया। लड़कों के अंडर 17 वर्ग में देवांश (80 किलो) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिन्हें फाइनल में कजाखस्तान के मुखामेदाली रूस्तेमबेक ने 5-0 से हराया। भारतीय अंडर 17 लड़कों की टीम ने एक रजत और छह कांस्य पदक जीते। अंडर 17 लड़कियों ने दो और रजत पदक जीते जो सिमरनजीत कौर (60 किलो) और हर्षिका (63 किलो) को मिले। लड़कियों ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए।

स्वियातेक का सामना अब कोको गॉफ से दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को 0-6, 6-3, 6-2 से हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक का सामना अब सेमीफाइनल में कोको गॉफ से होगा जिन्होंने मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने मार्ता कोस्तियुक को 7-6, 7-6 से मात दी, जबकि स्वितोलिना ने मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-2, 6-2 से हराया।

एटीएम से पांच लेनदेन मुफ्त, नए बदलाव लागू

छठी बार पैसा निकालने पर देना पड़ेगा 23 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी। इससे पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर 21 रुपये तक शुल्क लेने की अनुमति थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

एटीएम से जुड़े आरबीआई के निर्देश गुरुवार से लागू हो गए। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी।

दूसरे बैंक के एटीएम से निकासी पर मिलेगा यह लाभ: ग्राहक अपने बैंक की स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) से हर महीने पांच निःशुल्क लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए कर सकेंगे। वे अन्य बैंकों के एटीएम से भी मुफ्त लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए पात्र हैं। मेट्रो शहरों में ग्राहक तीन लेनदेन और गैर-मेट्रो केंद्रों में पांच लेनदेन मुफ्त में कर सकेंगे।

मुफ्त लेनदेन के बाद अब बैंक अब प्रति लेनदेन वसूल सकेंगे 23 रुपये: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 28 मार्च को ऑटोमेटेड टेलर मशीनों/कैश रिसाइक्लर मशीनों के उपयोग-इंटरचेंज शुल्क और ग्राहक प्रभार की समीक्षा से जुड़े निर्देश जारी किए थे। आरबीआई के परिपत्र में कहा गया है, मुफ्त लेनदेन के अलावा, ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह 01 मई, 2025 से प्रभावी होगा।

संशोधित निर्देश कैश रिसाइक्लर मशीनों (नकद जमा लेनदेन के अलावा) के जरिए किए गए लेनदेन पर भी लागू होते हैं। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि एटीएम इंटरचेंज शुल्क एटीएम नेटवर्क की ओर से तय किया जाएगा। मार्च 2025 के अंत तक 2,55,885 बैंक एटीएम, कैश रिसाइक्लर मशीन (सीआरएम) और व्हाइट लेबल एटीएम (डब्ल्यूएलए) थे।

एटीएफ की कीमत में की गई 4 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली। *ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.4 प्रतिशत घटकर 85,486.80 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। मूल्य में यह कटौती 1 अप्रैल को की गई 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती के बाद की गई है।*

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

आर्थिक लचीलेपन के लिए घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी जरूरी

कोलकाता, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था में लचीलापन बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी हो। कोलकाता में एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा, सरकार निजी क्षेत्र को देश के विकास में एक भरोसेमंद सह-भागीदार के रूप में देखती है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोलकाता के न्यू टाउन में कॉरपोरेट भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, लचीलापन सुनिश्चित करने बनाने का सबसे प्रभावी तरीका घरेलू दक्षता के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक नीति परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापार करने में आसानी

के मोर्चे पर भारत में सुधार हो रहा है। यह देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण का प्रमुख घटक है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने के लगातार प्रयास कर रही है। कॉरपोरेट प्रशासन में निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार नवाचार और कौशल विकास की संस्कृति का समर्थन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करेगी अमूल डेयरी

नई दिल्ली। अमूल अब डेयरी से बाहर निकलकर अपने एफएमसीजी पोर्टफोलियो को और मज़बूत करने जा रहा है। कंपनी ऑर्गेनिक चाय, चीनी और मसालों जैसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक अ?धिकारी ने बताया कि अमूल अब भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर इसके सबसे नज़दीकी मल्टीनेशनल प्रतिद्वंद्वी से 10 फीसदी ज्यादा है। कंपनी का लक्ष्य ?वित्त वर्ष 26 के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का टर्नओवर छूने का है। अमूल न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी तेजी से अपने पांव पसार रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब: शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंच चुका हैं, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बयान शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार ने दिया। अमेरिकी मीडिया और पॉलिसी सर्किल में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता की चर्चा जोरों पर है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद किसी देश के साथ होने वाली यूएस की यह पहली ट्रेड डील हो सकती है। फिलहाल, अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ समझौता करने के लिए ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार जेमिसन ग्रीर से एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता अंतिम चरण के करीब है।

महिंद्रा खरीदेगा एसएमएल इसुजु में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एम एण्ड एम) ने वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे की कुल कीमत 555 करोड़ रुपये रखी गई है, जिसमें महिंद्रा सुमितोमो कॉरपोरेशन की 43.96 फीसदी और इसुजु मोटर्स लिमिटेड की 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इस अधिग्रहण में प्रति शेयर मूल्य 650 रुपये तय किया गया है। सौदा पूरा होने के बाद महिंद्रा सेबी के अधिग्रहण नियमों के तहत अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए ओपन ऑफर भी पेश करेगी।

डुअल-सिलेंडर तकनीक के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो रही टाटा पंच आईसीएनजी

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स की सीएनजी कारों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और इसका मुख्य कारण कंपनी की डुअल-सिलेंडर तकनीक है, जो गाड़ियों में पर्याप्त बूट स्पेस के साथ सिलेंडर को छिपाने की सुविधा देती है। इस तकनीक से टाटा की सीएनजी कारें न केवल जगह की बचत करती हैं, बल्कि बेहतर परफॉर्मेंस और माइलेज भी देती हैं। खासकर टाटा पंच सीएनजी, जो कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पहले से ही नंबर-1 मॉडल मानी जाती है, अब अपने सीएनजी वर्जन के शानदार रियल वर्ल्ड माइलेज की वजह से चर्चा में है।

रिपोर्ट में सामने आया है कि टाटा पंच आईसीएनजी ने शहर में 20.7 किलोमीटर प्रति किलोग्राम और हाईवे पर 31 किलोमीटर प्रति किलोग्राम का माइलेज दिया। यह आंकड़े एआरएआई द्वारा बताए गए 26.99 किलोमीटर प्रति किलोग्राम के माइलेज से भी बेहतर हैं। रिपोर्ट के अनुसार टेस्ट के लिए सीएनजी टैंक को खाली

किया गया, फिर टैंक में 2 किलोग्राम सीएनजी भरी गई। इसके बाद कार को तब तक चलाया गया जब तक टैंक में गैस खत्म नहीं हुई। यह प्रक्रिया शहर और हाईवे दोनों पर की गई।

टेस्ट के दौरान टायर प्रेशर को कंपनी की सिफारिश के अनुसार रखा गया और कार में केवल एक ही व्यक्ति मौजूद था, शख्स ने जरूरत पड़ने पर एसी, वाइपर और ऑडियो सिस्टम का उपयोग किया।

2025 में कितना बदला ईपीएफओ?

ग्राहकों की प्रोफाइल में सुधार आसान, खाता ट्रांसफर का झंझट भी खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्ट्रीयता, माता-पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। आइए साल 2025 में ईपीएफओ में हुए पांच अहम बदलावों के बारे में जानते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने साल 2025 में अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए कई बड़े और अहम बदलाव किए हैं। इनका मकसद कर्मचारियों को अधिक से अधिक

सुविधा देना, प्रक्रियाओं को डिजिटल व आसान बनाने के साथ पारदर्शिता लाना है। ये बदलाव प्रोफाइल अपडेट करने, नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने या फिर अधिक पेंशन से जुड़ी नीतियों से जुड़े हैं।

प्रोफाइल अपडेट करना अब हुआ आसान: ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्ट्रीयता, माता-पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए किसी दस्तावेज की भी जरूरत नहीं है और इसे ऑनलाइन ही किया जा सकता है। हालांकि, यदि ग्राहक का यूएएन 1 अक्तूबर 2017 से पहले का है, तो कुछ चीजों में बदलाव के लिए उन्हें नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत हो सकती है।

नौकरी बदलते समय पीएफ ट्रांसफर की झंझट भी खत्म: अक्सर नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने में दिक्कत आती थी। लेकिन नए बदलावों के बाद अब यह झंझट भी खत्म हो गया है। 15 जनवरी 2025 को ईपीएफओ ने इससे जुड़े नए निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक कुछ मामलों में पीएफ ट्रांसफर के लिए न तो पुराने नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत है और न ही नए की। यह सुविधा उपलब्ध होगी यदि एक ही यूएएन से जुड़ी सदस्य आईडी का स्थानांतरण होता है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एक्यूआई में सुधार, हटाई गईं ग्रैप एक की पाबंदियां

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। गुरुवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया। इसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में लागू ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान (ग्रैप) एक की पाबंदियों को हटा लिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा उपलब्ध कराए गए दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 184 रहा। गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर के समग्र वायु गुणवत्ता मापदंडों और अन्य पहलुओं की व्यापक समीक्षा करते हुए उप-समिति ने कहा कि तेज हवाओं और अनुकूल मौसम संबंधी स्थितियों के कारण दिल्ली के एक्युाई में सुधार हुआ है और 01 मई के लिए 184 (मध्यम श्रेणी में) दर्ज किया गया है। इसके अलावा मौसम विभाग के पूर्वानुमान में भी आने वाले दिनों में एक्यूआई के मध्यम श्रेणी में रहने की भविष्यवाणी की गई है। इसलिए, दिल्ली के एक्यूआई में सुधार की इस प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए ग्रैप पर सीएक्यूएम उप-समिति ने सर्वसम्मति से पूरे एनसीआर में ग्रैप की मौजूदा अनुसूची के चरण-ढ्ढ को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया।

एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने संभाला कमांडिंग-इन-चीफ का पद

प्रयागराज। एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने गुरुवार, एक मई को मध्य वायु कमान के कमांडिंग-इन-चीफ का पद भार ग्रहण किया। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, रक्षा प्रबंधन कॉलेज एवं राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। मध्य वायु कमान प्रयागराज के पीआरओ शान्तनु प्रताप सिंह ने बताया कि एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने भारतीय वायु सेना में सात जून 1986 को कमीशन प्राप्त किया था। वह हेलीकाप्टर के प्रशिक्षित एवं अनुभवी उड़ान अनुदेशक हैं और 5500 घंटो से अधिक उड़ान का अनुभव प्राप्त है। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल व वायु सेना मेडल मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि 38 वर्षों से अधिक के अपने सेवा काल के दौरान एयर मार्शल ने कई क्षेत्रों में कार्य एवं पदभार ग्रहण किया। पश्चिम वायु कमान में आपने एमआई-17वी हेलीकाप्टर और बमरौली तथा लेह (लद्दाख) में तो एयरबेस को कमान किया। वह पश्चिम वायु कमान के वरिष्ठ वायु स्टॉफ अफसर भी रहे हैं। वर्तमान में मध्य वायु कमान में पदभार ग्रहण करने से पूर्व एयर मार्शल दक्षिण वायु कमान के कमांडिंग-इन-चीफ पद पर रह चुके हैं।

गंगा एक्सप्रेस—वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड की होगी लैंडिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से गंगा एक्सप्रेस—वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड जैसे लड़ाकू विमानों की लैंडिंग होगी। शाहजहांपुर में जलालाबाद इलाके में पीरु ग्राम के निकट गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनी हवाई पट्टी पर दो और तीन मई को वायु सेना के लड़ाकू विमानों को उतारा जायेगा। वहीं कुछ मिनटों के भीतर लड़ाकू विमान उड़ान भरते हुए भी दिखायी देंगे।
शाहजहांपुर जिले के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि शाहजहांपुर के लिए गौरव से भरपूर क्षण होगा, जब दो मई और तीन मई को गंगा एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमानों की आवाजाही को अपनी आंखों से जिले के नागरिक देखेंगे। दिन रात लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और उड़ान भरने पर इसे देखकर गर्व का अनुभव होगा। इसे कार्यक्रम का स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री जेपीएस राठौर अतिथि की भूमिका में रहेंगे, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी उपस्थिति रह सकती है।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा। डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है। भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। इस्लामाबाद में डार ने आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की राजनीतिक रूप से प्रेरित और भड़काऊ कार्रवाइयां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद से पीड़ित देश होने के नाते, पाकिस्तान निर्दोष नागरिकों पर हमले की पीड़ा को बेहतर समझता है।

केदारनाथ पहुंची बाबा की पंचमुखी डोली, शुक्रवार सुबह खुलेंगे कपाट

रुद्रप्रयाग। बाबा केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार सुबह 7 बजे भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिये जाएंगे। धाम के कपाट खोले जाने की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर को 108 क्विंटल फूल-मालाओं से सजाया गया है। इस अवसर के साक्षी बनने के लिए 10 हजार से अधिक श्रद्धालु आज शाम तक धाम पहुंच चुके हैं। वहीं, सेना की बैंड धुनों और भक्तों के जयकारों के बीच बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली भी धाम पहुंच गई है।

भारत के एक और दुश्मन ने कहा- युद्ध हुआ तो पाक का साथ देंगे

ओटावा ■ एजेंसी

भारत का नमक खाकर, भारत की मिट्टी में पला बढ़ा गुरपतवंत सिंह पन्नू अपनी जन्म भूमि के साथ गद्दारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पन्नू का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इंडियन पंजाब पाकिस्तान का साथ देगा। इससे पहले भी अलगाववादी ने पाकिस्तान के समर्थक की बात कही थी। साथ ही दावा किया था कि भारतीय सेना को हमला करने के लिए पंजाब पार नहीं करने दिया जाएगा।

इससे पहले एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं पाकिस्तान की आवाम को भरोसा दिलाता हूं कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह

खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे। क्योंकि पाकिस्तान का नाम ही पाक है। पन्नू ने कहा, यहां पाकिस्तान को समझने की जरूरत है, सिख समझ चुके हैं। पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा पन्नू ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, तो यह भारत और मोदी का का आखिरी युद्ध होगा। पंजाब भारतीय कब्जे से आजाद हो जाएगा। उसने ऐलान किया, भारतीय पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा। हम भारतीय सेना को रोकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने यह भी कहा है कि भारतीय पंजाब के कैंट इलाकों में दीवारों पर चॉक से संदेश लिखा जाना शुरू हो गया है।

इन संदेशों के जरिए अपील की जा रही है कि सिख सैनिक पाकिस्तान के खिलाफ जंग न लड़ें। इससे पहले भी सिख फॉर जस्टिस ने एक वीडियो जारी किया था।

जिसमें पाकिस्तान-खालिस्तान जिंदाबाद का जिक्र किया गया था। इसके अलावा पंजाब के पटियाला स्थित छावनी के पास खालिस्तान के झंडे नजर आए थे।

हरियाणा-पंजाब जल विवाद को लेकर आमन-सामने

भाखड़ा नंगल डैम पर पंजाब पुलिस का कब्जा, बीबीएमबी कर्मियों को लौटाया

चंडीगढ़, ■ एजेंसी

हरियाणा व पंजाब के बीच चल रहे भाखड़ा जल विवाद के बीच पंजाब पुलिस ने गुरुवार को भाखड़ा डैम के कार्यालय परिसर पर कब्जा कर ताला जड़ दिया है। हरियाणा को पानी छोड़ने के लिए डैम पहुंचे बीबीएमबी के कर्मचारियों को वापस लौटा दिया गया। विवाद के चलते भाखड़ा डैम के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर डैम की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस साथियों के साथ भाखड़ा पुल पर पानी की रखवाली के लिए बैठ गए हैं।

दरअसल, बुधवार को रातभर चंडीगढ़ स्थित बीबीएमबी के कार्यालय में बैठकों का दौर चलता रहा, जिसमें फैसला लिया गया कि हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ा जाएगा। इसके बाद से राज्य में राजनीति गरमा गई। पंजाब में सत्तारूढ. आम आदमी पार्टी के मंत्रियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने पर भाजपा सरकार का विरोध किया।

गुरुवार को केन्द्र सरकार के निर्देश पर भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) ने पंजाब कैडर से यहां तैनात भाखड़ा डैम के डायरेक्टर (वाटर रेगुलेशन) इंजी. आकाशदीप सिंह को हटा दिया। उनकी जगह अब इंजी. संजीव कुमार को डायरेक्टर रेगुलेशन नियुक्त किया गया है। संजीव हरियाणा के कोटे से बोर्ड में नियुक्त हैं। संजीव इससे पहले डैम सेफ्टी के डायरेक्टर थे। उनकी जगह पर इस डैम सेफ्टी के डायरेक्टर पद पर आकाशदीप को नियुक्त कर दिया गया है। ऑर्डर में दावा किया गया है कि यह फैसला आकाशदीप की ही मांग पर किया गया है। इसके कुछ समय बाद बीबीएमबी में सेक्रेटरी पद पर तैनात हरियाणा के अधिकारी सुरिंदर सिंह मित्तल को भी हटा दिया गया। अब सेक्रेटरी का चार्ज पंजाब कोटे के बलवीर सिंह को दे दिया गया है।

पंजाब सरकार ने पत्र लिखकर बीबीएमबी के फैसले का विरोध किया। पंजाब सरकार के निर्देश पर रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर तथा अन्य अधिकारी आज दोपहर भाखड़ा डैम पहुंचे और डैम को चारों तरफ से सील कर दिया। पंजाब पुलिस ने डैम में पानी सप्लाई वाले प्वाइंट पर ताला लगाकर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। अधिकारियों ने एक बार वहां जाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें वापस भेज दिया। दिनभर इसे लेकर विवाद चलता रहा।

इस बीच बीबीएमबी के अधिकारियों ने ताजा हालात पर केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आज हुए सारे घटनाक्रम के बारे में अवगत करा दिया है। इसी बीच पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस अपने साथियों के साथ भाखड़ा पुल पर पहुंचे और पानी की रखवाली करने का दावा करते हुए पुल पर ही बैठ गए हैं।

पंजाब लड़ रहा देश की लड़ाई, हम हरियाणा को नहीं देंगे एक बूंद भी पानी

चंडीगढ़। ऐसे में पंजाब से पानी छीनकर हरियाणा को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा अगर भाजपा को लगता है कि वे रातों-रात पंजाब के अफसरों को हटाकर हरियाणा के अफसरों को नियुक्त कर देंगे तो ये जान लें कि अगर पंजाब देश और दुनिया की लड़ाई लड़ सकता है, तो वह अपनी लड़ाई भी लड़ सकता है। मंत्री ने कहा कि हम पंजाब के पानी की एक बूंद भी हरियाणा को नहीं देंगे। पंजाब के मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार ने पंजाब की पीठ में छुरा घोंपा है। पंजाब ने इस देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा खून बहाया, सबसे ज्यादा कुर्बानियां दीं। बता दें कि दोनों राज्यों में जल विवाद को लेकर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए पूरे मामले की भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) से रिपोर्ट तलब कर ली। बीबीएमबी ने अपनी रिपोर्ट में हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने की पैरवी करते हुए तीन से चार एक्शन प्लान सौंपे हैं। बीबीएमबी ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को दिए जाने वाले पानी की पूरी स्थिति रिपोर्ट दी है। इसके बाद दोनों राज्यों की सरकारों में पानी विवाद को लेकर मंत्रियों के बयान सामने आ रहे हैं।

कांग्रेस ने ओबीसी और एससी को केवल वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल : तरुण चुघ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मोदी सरकार के जातिवार गणना के फ़ैसले को जनहित में ऐतिहासिक फ़ैसला बताया। उन्होंने गुरुवार को मीडिया से कहा कि सरकार ने जो अगली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने का फ़ैसला लिया है, यह ऐतिहासिक और युगांतकारी फ़ैसला है।

भारतीय जनता पार्टी जाति की राजनीति नहीं, बल्कि हर जाति का कल्याण, समाज के हर वर्ग का कल्याण हो, इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने निरंतर कल्याण के कार्य किए। चुघ ने कांग्रेस पार्टी को याद दिलाते हुए कहा कि आज जातीय गणना का श्रेय लेने की होड़ में लगे राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि कांग्रेस के शासन में यह क्यों नहीं हुई। कांग्रेस ने सदैव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अनुसूचित जाति (एससी) को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है।

उन्होंने कहा कि नेहरू खुद जातिवार गणना के विरोधी थे और कांग्रेस ने ही काका कालेलकर रिपोर्ट भी दबा दी थी। मंडल आयोग के समय इंदिरा गांधी ने रिपोर्ट का विरोध किया, जबकि तत्कालीन गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने जातिवार गणना की मांग खारिज कर दी थी। राजीव गांधी भी इसके पक्ष में नहीं थे। तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने सिर्फ कैबिनेट में विचार का आश्वासन देकर बात टाल दी थी। कांग्रेस का

असली चेहरा कुछ और है, जो हर बार नकली मुखौटे के पीछे छिपा रहता है। राहुल गांधी की कांग्रेस का विजन सिर्फ समाज के विभाजन का रहा है। कांग्रेस का चरित्र अवसरवादी और वोटबैंक की राजनीति करने वाला है। आज कांग्रेस की फैमिली फर्स्ट, घमंड और पाखंड में डूबी है। कांग्रेस पार्टी के बयानों से पता चलता है कि उनके लिए सामाजिक न्याय महज राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए है। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की नीति का यह तार्किक और सैद्धांतिक विस्तार है। यह फ़ैसला सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के भावों के अनुरूप है। समाज की अंतिम सीढ़ी पर खड़ी और अब तक विकास में वास्तविक भागीदारी से वंचित जातियों की पहचान और उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लिया गया जातिगत गणना का निर्णय सामाजिक न्याय के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों को करेगा सशक्त : डॉ. के लक्ष्मण

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ के. लक्ष्मण ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिवार गणना को शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह एक साहसिक और पारदर्शी कदम सामाजिक न्याय, सूचित नीति निर्माण तथा भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों के लिए वरदान साबित होगा।

डॉ. लक्ष्मण ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारत में अंतिम व्यापक जाति जनगणना 1931 में ब्रिटिश सरकार ने आयोजित की थी। तब से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़ों को छोड़कर, राष्ट्रीय स्तर पर कोई आधिकारिक जाति गणना नहीं हुई है। दशकों से सटीक आंकड़ों की अनुपस्थिति ने अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य हाशिए के समुदायों के लिए कल्याणकारी नीतियों के

निर्माण और कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। 94 वर्षों के बाद इस प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने का मोदी सरकार का निर्णय साक्ष्य-आधारित शासन और पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के दोहरेपन को उजागर करना महत्वपूर्ण है। विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने बार-बार जाति जनगणना की मांग को एक राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल किया है, घोषणापत्रों और सार्वजनिक रैलियों में इसका वादा किया है। हालांकि, सत्ता में आने पर कांग्रेस सरकारें लगातार इसे पूरा करने में विफल रही हैं। वर्ष 2010 में कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने जाति जनगणना पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया था, लेकिन सरकार ने केवल एक सर्वेक्षण आयोजित करने का विकल्प चुना, न कि पूर्ण, पारदर्शी गणना सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना के डेटा को कभी भी पूरी तरह से जारी नहीं किया गया था और यह अभ्यास स्पष्टता और पारदर्शिता की कमी से प्रभावित था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है, कभी भी हाशिए पर पड़े लोगों के कल्याण के लिए वास्तविक इरादे से नहीं। इसके विपरीत मोदी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि जाति गणना आधिकारिक जनगणना के हिस्से के रूप में एक संरचित, पारदर्शी और कानूनी रूप से सही तरीके से की जाए, न कि खंडित और संदिग्ध राज्य-स्तरीय सर्वेक्षणों के माध्यम से।

प्रह्लाद जोशी 20 मई को करेंगे 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का उद्घाटन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की खाद्य सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी 20 मई को 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य देशभर के 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए खाद्यान्नों की गुणवत्ता पूर्ण भंडारण सुनिश्चित करना है। 'डिपो दर्पण' पोर्टल और ऐप के माध्यम से देश के 2278 गोदामों का डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा, जिनमें एफसीआई, सीडब्ल्यूसी और राज्य

एजेंसियों के गोदाम शामिल हैं। यह प्रणाली डिपो प्रबंधकों को अपने डिपो की अवस्थिति, संरचना, संचालन और वित्तीय प्रदर्शन का लगभग वास्तविक समय में मूल्यांकन करने की सुविधा देती है। जियो-टैग की गई सूचनाओं के आधार पर स्वचालित रेटिंग और सुधारात्मक सुझाव भी तैयार किए जाते हैं। स्मार्ट वेयरहाउसिंग तकनीकों के साथ एकीकृत यह प्रणाली सेंसर आधारित निगरानी तंत्र से लैस है, जिसमें सीसीटीवी, आईओटी सेंसर, सीओ2 और फॉस्फीन स्तर, तापमान, नमी, आग और अनधिकृत प्रवेश की निगरानी की जाती है। इसके अलावा एआई आधारित बैग काउंटिंग, वाहन पहचान (एएनपीआर) और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम भी पायलट आधार पर तैनात किए गए हैं।

गोदामों को अवसंरचना और परिचालन दक्षता के दो श्रेणियों में स्टार रेटिंग दी जाएगी, जिससे निरंतर सुधार की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। पर्यवेक्षी अधिकारी ऐप के माध्यम से कहीं से भी गोदामों की निगरानी कर सकेंगे, जिससे निर्णय प्रक्रिया तेज और प्रभावी होगी। 'डिपो दर्पण' पहल भारत की खाद्य सुरक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, दक्षता और उत्तरदायित्व की नई मिसाल पेश करेगी।

नक्सल अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या तक सीमित नहीं

अभियान का उद्देश्य समस्या का अंत करना है : सुंदरराज पी

बीजापुर ■ एजेंसी

तेलंगाना की सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान के आज दसवें दिन बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने अभियान पर खुलासा करते हुए कहा कि अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या या बरामद किए गए, हथियारों की गणना तक सीमित नहीं है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य प्रतिबंधित नक्सली संगठन के कब्जे से क्षेत्र को मुक्त कराना और स्थानीय ग्रामीणों के लिए उस भूमि को पुनः सुरक्षित बनाना भी है। मिशन संकल्प का उद्देश्य बस्तर और देश के

अन्य प्रभावित क्षेत्रों में दशकों से चली आ रही वामपंथी उग्रवाद की समस्या का अंत करना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से, किसी भी अभियान की विस्तृत जानकारी उसके पूर्ण होने तक साझा नहीं की जा सकती है।

बस्तर आईजीने कहा कि नक्सलियों ने पवित्र बस्तर की भूमि में पहाड़ियों, नदियों और घाटियों के किनारे आईईडी लगाकर स्थानीय आदिवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी ही भूमि में प्रवेश न करें। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नक्सलियों को ऐसा नापाक कार्य करने और निर्दोष नागरिकों, जानवरों तथा अन्य जीवों के जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार आखिर किसने दिया? सुशीला सोढ़ी जैसी निर्दोष आदिवासी महिला की शहादत (जो 30 मार्च 2025 को जिला बीजापुर के उसूर क्षेत्र में मवेशी चराते समय नक्सली आईईडी विस्फोट में मारी गई) और अनेक बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और जवानों का बलिदान, जो नक्सली हिंसा के शिकार हुए, हमारे संकल्प को और अधिक दृढ़ बनाती है। उल्लेखनीय है कि नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाने वाला कर्रेगुट्टा का पहाड़ नक्सलियों का अभेद किला माना जाता था। यहीं से नक्सलियों के शीर्ष नेता बस्तर पहुंचकर सारी गतिविधियां चलाते रहे। नक्सलियों की पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी, डीकेएसजेडसीएम, तेलंगाना स्टेट कमेटी के शीर्ष नेताओं की गोपनीय बैठक भी इसी पहाड़ पर होती रही है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विगत दस दिनों में हुए गतिविधियों में 22 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तेलंगाना की सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर देश के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान पर जवान रवाना हुए थे।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इंदिरा कालोनी बुरहानपुर में स्थित भवन क्रमांक A-136 LIG मंडल द्वारा श्री प्रकाश सुगंधी पिता श्री सुरेशचंद सुगंधी, श्री रविशंकर शाह पिता श्री दत्तु शाह एवं श्री शुभम कुमार शाह पिता श्री विनोद शाह के नाम से नामांतरित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन दिनांक 22/07/2004 को पंजीकृत है। श्री प्रकाश सुगंधी, श्री रविशंकर शाह एवं श्री शुभम कुमार शाह से उक्त संपत्ति श्री राजेश कुमार पिता श्री सुदामालाल श्रीवास ने क्रय कर विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 22/03/2025 को अपने पक्ष में करा लिया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन शपथ पत्र/संयुक्त शपथ पत्र/विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री राजेश कुमार पिता श्री सुदामालाल श्रीवास के नाम से हस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तिय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही कि जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मंडल
संभाग खण्डवा

1 साल के नन्हे बाघ के शावक की सड़क दुर्घटना में मौत

बुदनी। वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम खटपुरा के दहोटा घाट में देर रात्रि किसी वाहन से टकराने के कारण इस बाघ की मौत का अंदाजा लगाया जा रहा है। एक हफ्ते के अंदर बुदनी वन परिक्षेत्र में वन्य प्राणी की यह दूसरी मौत का मामला सामने आया है। बुदनी वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ

सोहागपुर ■ निसं

शहर में जन सहयोग से श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया जा रहा है। जिसकी कलश यात्रा गुरुवार को शहर में निकाली गई। आयोजन नर्मदापुरम् मार्ग स्थित शिव मंदिर प्रांगण में शुरू हुआ है तथा 12 मई को यज्ञ का विराम होगा।

जानकारी अनुसार श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ की कलश यात्रा गुरुवार सुबह काली मंदिर परिसर से होते हुए शंकर मंदिर तक निकाली गई। यज्ञ समिति से शिवकुमार पटेल ने बताया कि शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भक्तजन एवं यज्ञ आयोजन समिति सदस्य सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची, जहां विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचांग पूजनकर यज्ञशाला में प्रवेश किया। जानकारी अनुसार यज्ञ दौरान प्रति दोपहर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा व रात्रि में श्रीराम कथा होगी। कथावाचक पं. गुरुसाहब शर्मा खेरी वाले, शिरोमणि दुबे मानसमणि सिंगरौली तथा पं. रामकिशोर दुबे सोहागपुर रहेंगे। यज्ञ आचार्य पं. विकास शर्मा सोहागपुर रहेंगे।

यज्ञ की पूर्णाहुति 11 मई को व भंडारा वैसाख पूर्णिमा 12 मई को होगा। कलश यात्रा में यज्ञाचार्य पं. विकास शर्मा, पं. अरविंद सहारिया, पं. कैलाश परसाई, कथाव्यास पं. गुरुसाहब शर्मा, धनसिंह रघुवंशी, शिवकुमार पटेल, माधव भावसार, पोहप सिंह विश्वकर्मा, द्वारका प्रसाद मेहरा, सुरेंद्र मालवीय, राकेश पुरी गोस्वामी, उमा पटेल, लालपुरी गोस्वामी, राजकुमार पाल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ग्वाल नर्मदा सेना का स्वच्छता अभियान जारी

नर्मदापुरम। विगत वर्षों से जारी नियमित साप्ताहिक स्वच्छत एवं जागरुकता अभियान के तहत ग्वाल नर्मदा सेना के सदस्यों ने नर्मदा के तट पर स्वच्छता अभियान चलते हुये माँ नर्मदा के जल से बहुत अधिक मात्रा में कचरा कूड़ा करकट बाहर किया एवं स्नान करने आये स्थानीय लोगों को माँ नर्मदा को स्वच्छ रखने हेतू जागरूक करने का प्रयास किया। नर्मदा सेना के अध्यक्ष मोहन यादव, संयोजक धनराज यादव, भूपेन्द्र यादव, सुनील यादव ने बताया कि लोग एक तरफ से नर्मदा को माँ कहते हैं, वहीं प्रतिदिन माँ के आँचल को गंदगी से भर देते है। हम माँ नर्मदा से प्रार्थना करते हैं कि ऐसे लोगों को सदबुद्धि दे और हमें निरन्तर स्वच्छता अभियान के लिये प्रेरणा देती रहे।

नरवाई जलाने वालों पर जुर्माना की राशि अधिरोपित की गई

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में खेत की नरवाई जलाने वालो पर लगातार जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों पर जुर्माना की राशि अधिरोपित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा नरवाई जलाने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कृषक श्री प्रकाश चंद पिता मनोहर लाल ग्राम मूढापार द्वारा अपने दो एकड़ के खेत की नरवाई जलाने पर प्रकाश चंद पर 2500 रुपए की जुर्माने की राशि अधिरोपित की गई है। इसी क्रम में ग्राम समोन के बृजमोहन दुबे पिता रघुनंदन दुबे पर 5000 रुपए की, ग्राम मूढापार के शुभम पिता दामोदर, अमन पिता दामोदर एवं अंकित पिता दामोदर पर 2500 रुपए की राशि, मूढापार के शुभम उर्फ वेदांत पिता विनय कुमार शर्मा पर 5000 हजार की राशि, ग्राम समोन के उदित दुबे पिता राजेंद्र प्रसाद दुबे पर 2500 रुपए की राशि, समोन के अक्षय दीवान पिता दिनेश दीवान पर 2500 रुपए की जुर्माने की राशि अधिरोपित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

प्रत्येक जनपद में गौ पालन के लिए एक आदर्श ग्राम बनाया जाएगा जो वृंदावन ग्राम कहलाएगा-मुख्यमंत्री

खंडवा ■ निसं

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित तेंदूपत्ता व वन समितियां सम्मेलन, जनजाति सम्मेलन, छड़ी वितरण एवं विभिन्न हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि कि आज निमाड़ क्षेत्र पंजाब को टक्कर दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से मध्यप्रदेश में गेंहू की कीमत 2600 रुपये क्विंटल हो गयी है जो कि पूरे देश मे सबसे अच्छी है। उन्होंने कहा कि खंडवा में दादाजी धूनीवाले मंदिर का निर्माण भी शीघ्र ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाकाल लोक का निर्माण हुआ है उसी प्रकार ओंकारेश्वर लोक का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता के नाम पर सम्पूर्ण प्रदेश में गीता भवन बनाये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जहाँ भगवान श्री कृष्ण की लीलायें हुई हैं वहाँ धाम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर वन अभ्यारण का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय मे जनजाति अंचल में सभी युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 20 जिलों में 221 वन धन केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में गौ पालन के लिए एक आदर्श ग्राम बनाया जाएगा जो कि वृंदावन ग्राम कहलाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15000 वन समितियां हैं, जिनमें 32 प्रमुख वन उपज समितियां हैं। आने वाले समय मे तेंदूपत्ता संग्रहण को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरसूद विकासखंड के 4 ग्रामों को 42.95 करोड़ की सिंचाई परियोजना से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि खालवा माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन के छूटे हुए 36 ग्रामों की 9794 हेक्टेयर भूमि हेतु 468 करोड़ की लिफ्ट परियोजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 100 सीटर हरसूद सिविल अस्पताल का नाम संत बुखारदास के नाम पर रखा जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एनएमडीसी द्वारा जनपद पंचायत खालवा को प्रदाय बर्तन बैंक एवं शववाहिनी को संचालन हेतु स्वर्गीय देवी शाह स्मृति न्यास खालवा को सौंपा। उन्होंने शुद्ध चिल्ड फिल्टर वाटर पेयजल टेंकर सोलर सिस्टम सहित ग्राम पंचायत जोगीबेड़ा विकास खंड खालवा को प्रदाय किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुजुर्गों के आवागमन सुविधा हेतु 05 हितग्राहियों को टार्च सुविधा युक्त छड़ी वितरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वनग्राम में मच्छर उन्मूलन हेतु फॉगिंग मशीन का वितरण दो हितग्राहियों को किया। उन्होंने वनोपज महुआ संग्रहण हेतु महुआ वृक्ष के नीचे बिना ज़मीन पर गिरे संग्रहण हेतु पेड़ के चारों तरफ बांधने के लिए ग्रीन नेट का प्रदाय दो हितग्राहियों को किया। उन्होंने वनग्राम में निवासरत परिवारों को हाट-बाजार से सौदा लाने हेतु दो हितग्राहियों को झोला वितरण किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजमणी पिता देवराम यादव को जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह द्वारा स्वयं की निधि से प्रदाय की जा रही स्कूटर की चाबी दी। राजमणी यादव शिक्षित बालिका हैं एवं समाज मे व्याप्त कुरुतियों को समाप्त करने कि दिशा मे स्वयं का विवाह सामाजिक सामूहिक विवाह सम्मलेन से कराने का प्रस्ताव रखा एवं सम्मेलन से विवाह कर समाज के युवा बालक- बालिकाओं के लिये प्रेरणा बनी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुमारी अंजली पिता गणेश चौधरी ग्राम जामनीगुर्जर द्वारा मेधावी छात्र योजना अंतर्गत लगभग 64 लाख की छात्रवृत्ति एवं सम्पूर्ण फीस अर्जित कर प्रथम श्रेणी में एमबीबीएस पास होने पर भेंट की एवं सम्मानित किया।

उंडेल से सुरवाडिया पहुँच मार्ग लम्बाई 1.20 किमी लागत 131.45 लाख का भूमिपूजन किया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिक्षेत्र सिंगाजी के चारखेड़ा मनोरंजन एवं वन्यप्राणी अनुभव क्षेत्र अंतर्गत कैफेटेरिया लागत राशि रू. 38 लाख एवं मूविंग हट लागत रू. 36 लाख, 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल हरसूद लागत रू. 2000 लाख, 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल खालवा लागत राशि 1000 लाख का लोकार्पण किया। उन्होंने नगर क्षेत्र नया हरसूद के 67.85 कि.मी. आंतरिक मार्ग 751.70 लाख के उन्नयन, राज्य मार्ग क्रमांक 15 से बड़खलिया पहुंच मार्ग लम्बाई 1.80 किमी लागत 160.18 लाख, उंडेल से सुरवाडिया पहुँच मार्ग लम्बाई 1.20 किमी लागत 131.45 लाख का भूमिपूजन किया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी बने नर्मदांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष, दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी नर्मदांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष बनाए गए हैं। श्री तिवारी कई वर्षों से निष्पक्ष, निडर पत्रकार के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके अध्यक्ष बनने पर नर्मदांचल पत्रकार संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों और आम जनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री तिवारी के अध्यक्ष बनने पर सुबह से ही शुभकामनाएं देने वालों का तांता लग गया है। सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से भी उन्हें अनेक लोगों ने बधाई दी है। गौरतलब है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में श्री तिवारी एक जाना माना नाम है। वे कई वर्षों से शहर सहित प्रदेश भर में निष्पक्ष कलम से आमजन से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। उन्हें अनेक पुरस्कार और सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

उनके अध्यक्ष बनने पर बधाई देने वालों में आशीष दीक्षित, विजय कुंभारे, राजेश तिवारी, बलराम शर्मा, सुरेंद्र राजपूत, मनोज सोनी, मुकेश भदोरिया, मनोज चौरे, दयाराम फौजदार, श्याम राय, विपिन महंत, हेमंत राजपूत, प्रदीप गुप्ता, नेहा थापक, हिना अली सहित अनेक विशिष्टजन शामिल है।

आंवली घाट एवं बाबरी घाट पर टीन शेड की व्यवस्था नहीं होने से महिला श्रद्धालु परेशान

सिवनी मालवा ■ निसं

यहां से लगभग 25 किलोमीटर दूर आस्था का केंद्र आंवली घाट एवं बावरी घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं इस घाट पर नर्मदापुरम जिला एवं सीहोर जिले के श्रद्धालु घाट पर स्नान करने के लिए आते हैं, लेकिन टीन शेड की व्यवस्था नहीं होने से स्नान करने के बाद महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

दोनों घाटों पर महिलाओं को कपड़े बदलने के लिए टीन शेड की होना जरूरी है। महिलाओं को खुले मैदान में कपड़े बदलने पड़ते हैं जिससे महिलाओ को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है।

इसी प्रकार अंतिम संस्कार करने आने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश में भारी परेशानी होती है। इस संबंध में समाजसेवी मनोज रघुवंशी ने कहा यह हमारी आस्था का केंद्र है, इसमें महिलाओं एवं नागरिकों को जो असुविधा हो रही है उसके लिए टीन शेड की व्यवस्था करना चाहिए।

सड़क सुरक्षा के अंतर्गत हाईवे पर चिह्नित स्थानों पर पुलिस ने लगाये रेडियम

इटारसी ■ निसं

सड़क सुरक्षा अंतर्गत वाहन चालकों को किसी भी दुर्घटना से बचाने पुलिस ने हाईवे के चिह्नित स्थानों पर रेडियम लगाने का काम किया है। टीआई गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में पुलिस की यातायात टीम ने खेड़ा से इसकी शुरुआत की और पुरानी इटारसी शनि मंदिर के पास तक रोड के डिवाइडर के मध्य रेडियम लगाये। टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने कहा कि शहर में खेड़ा से पुरानी इटारसी तक दो तीन पाइंट चिह्नित किये हैं, जहां आज रेडियम लगाये हैं। कुछ अन्य स्थान भी हैं, जहां रेडियम लगाये जाएंगे। आमजन से भी यदि कोई स्थान की जानकारी मिलेगी जहां आमतौर पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, वहां भी रेडियम लगाये जाएंगे।

वाहनों पर लगायेंगे: टीआई श्री बुंदेला ने कहा कि अक्सर रोड किनारे अंधेरे में खड़े रहने वाले वाहनों से भी दुर्घटना होती रहती है, इसलिए हम आगामी दिनों में कृषि उपज मंडी में आने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों में भी रेडियम लगाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सड़कों पर दुर्घटना रोकने पुलिस यह प्रयास कर रही है, जिसमें नागरिकों का भी सहयोग अपेक्षित है। यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील घावरी का कहना है कि आमजन से जानकारी लेकर और पिछले दिनों हुई दुर्घटनाओं को देखते हुए खेड़ा में साईं कृष्णा के सामने तथा पुरानी इटारसी में शनि मंदिर के सामने रेडियम लगाये हैं।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग आज खरगोन में

भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में वाहन रैली मंडलेश्वर से खरगोन तक होगा भव्य स्वागत

खरगोन ■ निसं

मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग 2 मई को एक दिवसीय खरगोन प्रवास पर रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों द्वारा मंत्री श्री सारंग का भव्य स्वागत किया जाएगा। भाजपा जिला कार्यालय से विजय मोरे ने बताया कि श्री सारंग का खरगोन जिले में प्रवेश कर प्रातः 10꞉30 बजे मंडलेश्वर, कसरावद में 11,30 भव्य स्वागत होगा, मंत्री श्री सारंग दोपहर 12꞉30 बजे खरगोन सर्किट हाउस पर भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। दो बजे मंडी प्रांगण में लोकार्पण, भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे अपराह्न 3꞉30 बजे कलेक्टर सभागार में अधिकारियों के साथ विकास एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा बैठक लेंगे। मंत्री श्री सारंग स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्षों की बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर शाम 7 बजे लेंगे।

जिले में गेहूं खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी

नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में 15 मार्च से जिले के ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत 64988 किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य किया जा रहा है। आज दिनांक को 7475 मे.ट स्कंद का उपार्जन हुआ। जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में स्थापित 171 उपार्जन केन्द्रो पर आज दिनांक तक कुल 41826 किसानों के द्वारा अपना स्लॉट बुक किया गया है जिनमे से 167 केंद्रों पर 32759 किसानों से 349988 मीट्रिक टन की खरीदी की जा चुकी है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।